राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 23 जून 2023 वर्ष-6,अंक-149 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी के उद्योगपति साले के घर ईडी का छापा

बेगूसराय । भारत सरकार की विशेष जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं आयकर विभाग की टीम ने गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय चौधरी के साले अजय कुमार सिंह उर्फ कारू सिंह के बेगूसराय स्थित आवास पर छापेमारी की। छापेमारी फिलहाल जारी है। ईडी एवं आयकर विभाग की टीम के अधिकारी, केंद्रीय सुरक्षाबलों की टीम के साथ सुबह पांच बजे ही अजय कुमार सिंह के श्रीकृष्ण सिंह नगर स्थित आवास पर पहुंचे और वहां छापेमारी की। समाचार भेजे जाने तक छापेमारी जारी है और इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। सुरक्षा बलों की टीम ने घर के मुख्य द्वार को बंद कर दिया तथा गली में भी किसी को जाने नहीं दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि मटिहानी निवासी अजय कुमार सिंह उर्फ कारू सिंह बिहार सरकार के मंत्री विजय चौधरी के साले हैं तथा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी इनका करीबी संबंध है। बड़े उद्योगपतियों में शुमार अजय कुमार सिंह की फुलवरिया थाना क्षेत्र के गौड़ा में लोहा फैक्ट्री सहित कई अन्य कारोबार है। संभावना जताई जा रही है कि फैक्ट्री एवं अन्य कारोबार में प्राप्त आय को छुपाने तथा अन्य कारणों से यह छापेमारी की जा रही है।

छापेमारी की सूचना मिलते ही कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। राजनीतिक एवं उद्योग जगत में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

तीन राज्यों में कांग्रेस को टेंशन देगी आप करीबी मुकाबले में बन सकती है बड़ा फैक्टर; 1 जुलाई से अभियान

गुजरात और गोवा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार तय कराने वाली आम आदमी पार्टी अब उसे तीन और राज्यों में चैलेंज देने जा रही है। 1 जुलाई से पार्टी अभियान की शुरुआत करेगी।

नई दिल्ली। गुजरात और गोवा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार तय कराने वाली आम आदमी पार्टी अब उसे तीन और राज्यों में चैलेंज देने जा रही है। नवंबर तक मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी इन तीनों ही राज्यों में चुनाव लड़ने की तैयारी में है। जुलाई में आम आदमी पार्टी तीनों ही राज्यों में चुनाव प्रचार की शुरुआत करने वाली है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि उसका कैंपेने गुजरात से भी ज्यादा सघन होने वाला है। इस कैंपेन में पार्टी मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शामिल रहेंगे। कैंपेन की शुरुआत 1 जुलाई को ग्वालियर में अरविंद केजरीवाल की रैली से होगी। इसके बाद वह छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 2 जुलाई को एक रैली में जाएंगे। आम आदमी पार्टी इन चुनावों के बहाने अपने संगठन को भी कसना चाहती है। आम आदमी पार्टी को लगता है कि वह मध्य प्रदेश के चंबल क्षेत्र में पड़ने वाले भिंड, मुरैना और ग्वालियर में कुछ फायदा पा सकती है। इसके अलावा रीवा और सतना जैसे इलाकों में भी आम आदमी पार्टी को सफलता की उम्मीद है। रैलियों के अलावा पार्टी टाउनहॉल मीटिंग्स का भी आयोजन करेगी। इनमें अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान जनता से सीधा संवाद करेंगे और सवालों के जवाब भी देंगे।

गोवा, गुजरात और हिमाचल जैसे राज्यों की तर्ज पर ही यहां भी शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी वोट मांगेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कई सर्वे कराए गए हैं, जिसके बाद किसानों के कर्ज संकट, हेल्थ, करप्शन, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दे जनता के बीच अहम पाए गए हैं। इन पर ही पार्टी फोकस करते हुए अपने प्रचार अभियान को आगे बढ़ाएगी। हालांकि आम आदमी पार्टी का यह अभियान भाजपा से ज्यादा कांग्रेस के लिए टेंशन बढ़ाने वाला है। यदि तीनों में से किसी भी राज्य में मुकाबला करीबी होता है तो फिर आम आदमी पार्टी को मिले वोटों की अहमियत बढ़ जाएगी।

तीनों ही राज्यों में सीएम फेस घोषित करके लड़ेगी आप

बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 12 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करके 5 सीटें जीत ली थी। आप की एंट्री का असर भी गुजरात चुनाव में दिखा और भाजपा ने 152 सीटें जीतकर रिकॉर्ड विजय हासिल की। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में टाइट फाइट का अनुमान है। ऐसे में कांग्रेस और भाजपा के बीच आम आदमी पार्टी एक बड़ा फैक्टर हो सकती है। कहा जा रहा है कि आप तीनों ही राज्यों में गुजरात की तरह ही सीएम फेस का ऐलान करके चुनाव लड़ेगी।

जन स्वास्थ्य की रक्षा हमारा दायित्व : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देशित किया है कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं। जन स्वास्थ्य की रक्षा हमारा दायित्व है इसलिए किसी के इलाज में धन की बाधा नहीं आनी चाहिए। जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बन पाएं हैं, उनके इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में बेहतर व्यवस्था बनाई जाए और इसके बाद भी जरूरत पड़े तो हायर सेंटर में इलाज के लिए इस्टीमेट बनवाकर शासन को उपलब्ध कराएं। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर आर्थिक सहायता राशि जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने यह निर्देश गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दीं। मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब सात सौ लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में दूसरे जिलों के भी लोग आए थे। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि इलाज में धन की

कमी नहीं होने दी जाएगी। संबंधित अस्पताल से इस्टीमेट लेकर प्रक्रिया पूरी करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए। विवेकाधीन कोष से तत्काल सहायता राशि जारी करा दी जाएगी। इस दौरान पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें,

दिल्ली में गर्मी से राहत, चार दिनों तक झमाझम होगी बारिश; यूपी-बिहार के लिए भी अलर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में गुरुवार सुबह की शुरुआत हल्की बारिश से हुई। राजधानी के कई इलाकों में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले चार दिनों तक दिल्ली में झमाझम बारिश होगी। इसके साथ ही अन्य राज्यों के लिए भी राहत की खबर है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी की मानसूनी हवा तेजी से आगे बढ़ रही है। इस वजह से अब कई राज्यों में लू का प्रकोप कम होगा और तापमान नीचे गिरेगा। तापमान नीचे गिरने के साथ ही बारिश शुरू होगी।

बिहार, झारखंड यूपी में होगी बारिश-हीटवेव की समस्या से जूझ रहे बिहार, झारखंड, ओडिशा एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुरुवार से मौसम का

मिजाज बदलेगा। इन राज्यों में गुरुवार से लू से राहत मिलेगी। साथ ही इन राज्यों में बारिश होगी, जिससे तापमान नीचे जाएगा।

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट-भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को बताया कि उत्तर भारत सहित देश के कई राज्यों में गुरुवार को बारिश होगी। उन्होंने कहा कि उत्तरी पंजाब, हरियाणा, दक्षिणी दिल्ली, उत्तरी मध्य प्रदेश और आसपास के उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में गुरुवार सुबह से बारिश होगी।

पूर्वोत्तर भारत में बारिश के आसार

आईएमडी ने पूर्वोत्तर भारत में भी हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के कुछ स्थानों पर गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।

इसके साथ ही अगले दो-तीन घंटों के दौरान सिक्किम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, दक्षिण छत्तीसगढ़, विदर्भ, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तटीय कर्नाटक में भी बारिश हो सकती है।

कैसा रहेगा छत्तीसगढ़ का मौसम

मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मानसूनी हवा और तेज हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके प्रभाव से गुरुवार को छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। साथ ही कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चल सकती है और बिजली भी गिरने की संभावना है।

हिजाब पहनो और नमाज पढ़ो, हिंदू लड़की पर धर्म बदलने का डाला जा रहा था दबाव

बाप-बेटा गिरफ्तार

श्रीनगर। उत्तराखंड के श्रीनगर में हिंदू लड़की के धर्मांतरण की कोशिश के मामले में पुलिस ने आरोपी बाप-बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मुजीब खान (22) और उसके पिता बाबू खान (45) निवासी यूपी बदायूं के खिलाफ उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी लड़की को हिजाब पहनने और नमाज पढ़ने के लिए कहते थे। मंगलवार को स्थानीय व्यापारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने विशेष समुदाय के एक युवक पर हिन्दू युवती को बहला फुसलाकर भगाने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। जिसके विरोध में उन्होंने कोतवाली में पहुंचकर आरोपी युवक के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए और तहरीर मिलने पर पुलिस ने तत्काल ऐक्शन लिया और धर्मांतरण का दबाव डालने के आरोपी बाप-बेटे को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल रवि सैनी ने बताया कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ उत्तराखंड धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी युवक के खिलाफ छेड़छाड़ की धारा में भी केस दर्ज किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेजा गया है। डीएसपी श्याम दत्त नौटियाल ने बताया कि एक व्यक्ति ने एफआईआर दी थी कि उनकी बेटी की एक सहेली विशेष समुदाय की है और एक लड़का है। वे उसकी बेटी को नमाज पढ़ने और हिजाब पहनने के लिए कहा जाता है। निकाह के लिए भी कहा जा रहा था।

कश्मीरियत की पहचान अमरनाथ, हिंदू-मुस्लिम एकता का देंगे संदेश; फारूक और महबूबा की अपील

श्रीनगर। कश्मीर में अमरनाथ यात्रा की 1 जुलाई से शुरुआत होने वाली है। सुरक्षा के इंतजामों से लेकर यात्रियों की सुविधाओं तक तमाम व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इस बीच राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने एकता का संदेश देने की बात कही है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अमरनाथ यात्रा तो कश्मीरियत की पहचान है। इस यात्रा के जरिए पूरे देश को हिंदू-मुस्लिम की एकता का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि इस दौरान भाईचारा दिखता है और यही कश्मीरियत की झलक है। यह उन लोगों के लिए एक संदेश है, जो देश भर में धर्म के नाम पर नफरत फैलाते हैं। अब्दुल्ला के अलावा महबूबा

मुफ्ती ने भी लोगों से अपील की है कि वे अमरनाथ यात्रा को सफल बनाने में योगदान दें। मुफ्ती ने पीडीपी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ऐसे समय में जब देश भर में मुस्लिमों को निशाना बनाया जा रहा है। उनकी दुकानों पर धर्म के नाम पर तोड़फोड़ हो रही है। तब यह यात्रा एक सुनहरा अवसर है कि इसके जरिए भाईचारे का संदेश दिया जाए। यह यात्रा हम सभी के लिए सुनहरा अवसर है और बताती है कि असल में कश्मीरियत क्या है। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की है कि वे अमरनाथ यात्रा के दौरान शानदार मेजबान बनकर दिखाएं और अपने हिंदू भाईयों का स्वागत करें। महबूबा मुफ्ती ने कहा, यात्री हमारे मेहमान हैं और हमें उनकी शानदार मेजबानी करनी चाहिए। यह हमारी परंपरा रही है। हम अपने कार्यकर्ताओं से अपील करते हैं कि वे इस यात्रा को सफल बनाएं। मैं सरकार से भी अपील करूंगी कि वह स्थानीय लोगों को कोई परेशानी ना होने दे। यही स्थानीय लोग अमरनाथ यात्रियों के वास्तविक मेजबान हैं। दो महीने तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा की 1 जुलाई से शुरुआत होनी है। इस यात्रा के दो रूट होते हैं, जिनमें से एक रूट गांदरबल के बालटाल होकर जाता है। इसके अलावा एक और रूट है, जो अनंतनाग के पहलगाम से होकर गुजरता है।

विदेशों में बिकेगा दिल्ली का माल, 'दिल्ली बाजार पोर्टल' लॉन्च करेगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली के बाजारों में मौजूद उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए राज्य सरकार जल्द ही 'दिल्ली बाजार पोर्टल' लॉन्च करेगी। इसके जरिए छोटे दुकानदार से लेकर व्यापारी तक अपने उत्पाद पूरी दुनिया तक बेच पाएंगे। विभिन्न बाजारों के एक लाख कारोबारियों को पोर्टल से जोड़ा जाएगा। मुख्यंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली बाजार परियोजना की प्रगति का जायजा लेने के लिए उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि 'दिल्ली बाजार पोर्टल' से व्यापारियों को एक ऐसा मंच मिलेगा जिससे वे अपने उत्पाद वैश्विक स्तर भी बेच पाएंगे।

24 घंटे दिखाई देंगी दुकानें- दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि पोर्टल के लॉन्च होने के छह माह के अंदर ही राजधानी के एक लाख से अधिक दुकानों को पोर्टल पर लाया जाएगा। दिल्ली बाजार पोर्टल पर दुकानें डिजिटल स्टोर पर 24 घंटे दिखाई देंगी।

ई-पेमेंट की सुविधा- बैठक में पोर्टल के डिजाइन, उत्पाद कैटलॉगिंग, बाजार स्थान, जियो-टैगिंग, मैप लेआउट, ई-पेमेंट और डिजिटल लुक जैसी विशेषताओं पर बातचीत हुई। पोर्टल में दुकानों की लोकेशन और ई-

पेमेंट की सुविधा मिलेगी।

तैयार होगा ई-कॉमर्स बाजार- पोर्टल के तहत व्यापारी का अपना स्टोर होगा। पोर्टल में उत्पाद सूची के माध्यम से व्यापारी अपनी दुकान और उत्पादों का प्रदर्शन कर सकेंगे। यह एक अतिरिक्त वर्चुअल स्टोर होगा जो 24 घंटे, सप्ताह के सातों दिन खुला रहेगा और विक्रेताओं को बड़े बाजारों में नए ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करेगा।

ये चार महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए

क्लाउड किचन के लिए एक पोर्टल पर मिलेंगे सभी लाइसेंस-दिल्ली सरकार जल्द राजधानी में क्लाउड किचन योजना लाने जा रही है। इससे करीब 20 हजार क्लाउड किचन और वहां काम करने वाले चार लाख लोगों को लाभ मिलेगा। क्लाउड किचन को कानूनी रूप दिया जाएगा। इसके तहत क्लाउड किचन के लाइसेंस के लिए एक ही पोर्टल तैयार होगा। उसी से सभी अलग-अलग विभागों से लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकेंगे। बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में स्वतंत्र खाद्य दुकान (क्लाउड किचन) के संचालन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में तय हुआ है कि सरकार योजना बनाने के लिए दिल्लीवालों और क्लाउड किचन से जुड़े व्यापारियों से सुझाव लेगी। दिल्ली में ज्यादातर क्लाउड किचन ग्रामीण आबादी क्षेत्र या व्यवसायिक संपत्तियों में हैं। वह ऑनलाइन माध्यम से खाना बेचते हैं।

संपादकीय

लापता जलयान

विशाल जहाज टाइटैनिक के खंडहर को देखने के पर्यटन अभियान का विफल होना बहुत दुखद है। अब तक केवल कुछ ही लोगों ने सागर तले पड़े टाइटैनिक के मलबे को देखा है। वहां पहुंचना कभी आसान नहीं रहा। भारी वित्तीय संसाधन और विशेषज्ञों की मदद से ही वहां जाने का जोखिम उठाया जा सकता है। एक पर्यटन और अनुसंधान कंपनी ओशनगेट एक्सपेडिशंस ने आठ-दिवसीय मिशन की पेशकश की थी, जिसकी लागत प्रति व्यक्ति 2.5 लाख डॉलर थी। इस रोमांचक व जोखिम भरे अभियान में चुनिंदा पांच लोग शामिल हुए थे। एक बहुत छोटी पनडुब्बी से समुद्र की सतह से 13,000 फीट से अधिक नीचे जाना था। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पांच सीट वाला कार्बन फाइबर और टाइटेनियम से बना यह पनडुब्बी जलयान या सबमर्सिबल अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाया। पता नहीं कहां खो गया, जिसकी तलाश जारी है। अनेक देशों के विशेषज्ञ अपने संसाधनों के साथ इस तलाश में जुटे हैं। बुधवार को एक आशा जगी थी, समुद्र से कुछ आवाजें भी सुनाई पड़ी थीं, पर इसकी दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। चार दिन से तलाश जारी है। रहस्य और चिंताएं गहराती जा रही हैं। शायद इस पर्यटन अभियान की ज्यादा चर्चा नहीं होती, लेकिन इस पर दुनिया के पांच दिग्गज यात्री सवार हैं, तो दुख की लहर दौड़ गई। सबमर्सिबल में फ्रांसीसी गोताखोर पॉल-हेनरी नार्गोलेट भी सवार हैं, जो टाइटैनिक के मलबे तक 35 बार गोते लगा चुके हैं। फ्रांसीसी नौसेना में 22 साल बिताने वाले नार्गोलेट ने बचने के प्रयास जरूर किए होंगे और सहयात्रियों को भी बचाने की कोशिश की होगी। ब्रिटिश अरबपति खोजकर्ता हामिश हार्डिंग भी सबमर्सिबल में हैं। हार्डिंग को रोमांच बहुत पसंद है। वह ऐसे विचित्र अभियान पर जाते रहे हैं और प्रशांत महासागर में सबसे निचली सतह तक की यात्रा कर चुके हैं। वह तो अंतरिक्ष यात्रा के लिए भी भुगतान कर चुके हैं। पाकिस्तान के लिए भी बहुत दुख की बात है कि वहां के अमीर उद्यमी शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान भी सबमर्सिबल में मौजूद हैं। ओशनगेट के सीईओ और संस्थापक स्टॉकटन रश भी यात्रियों में शामिल बताए जा रहे हैं, जो लापता जलयान टाइटन को पहले चला चुके हैं। दरअसल, इस छोटे जलयान में ज्यादा सुविधाएं नहीं हैं, इसके अंदर बस पांच लोगों के पालथी मारकर बैठने भर की जगह है, शौच के लिए एक स्थान है, पर इसके जरिये समुद्र के नीचे बहुत कम समय के लिए ही रहा जा सकता है। जाहिर है, इस हादसे के बाद सवालों का अंबार लग गया है और जवाबों का टोटा है। रोमांचकारी पर्यटन का क्षेत्र दुनिया में जिस तेजी से विकसित हो रहा है, उसे लेकर पहले भी चिंता का इजहार किया गया है। खतरा उठाते हुए पर्यटन का कीर्तिमान बनाने की धुन बहुतों को परेशान किए रहती है। ऐसे तमाम लोगों को अपनी सुरक्षा के बारे में ज्यादा चिंतित होना चाहिए। साथ ही, रोमांचक पर्यटन के क्षेत्र में सक्रिय कंपनियों को भी अपनी क्षमता का आकलन करना चाहिए। कोताही बरतने वाली या दोषी कंपनियों के लिए इस क्षेत्र में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। जीवन का कोई विकल्प नहीं है। पहले ऐसे अभियानों पर केवल विशेषज्ञ जाया करते थे, पर अब पैसे खर्च करके जाने का बढ़ता चलन समीक्षा की मांग करता है। पर्यटन मनोरंजन या ज्ञानवर्द्धन तक सीमित रहे, तो अच्छा है। पर्यटन क्षेत्र में किसी भी तरह के अतिरेक को स्वीकार करना आपराधिक लापरवाही से कम नहीं है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वार्ता में चीनी चुनौती से निपटने की रणनीति भी

केएस तोमर

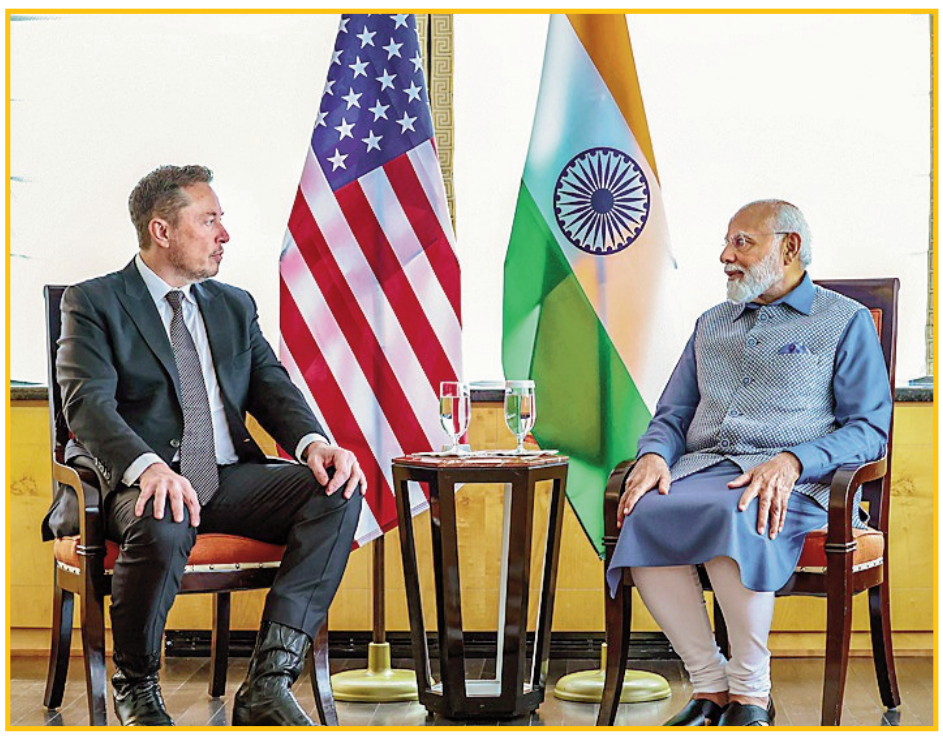

मोदी का प्रयास रहेगा कि इस स्थिति में भारत अमेरिका के सहयोग से चीन को रोकने में अहम भूमिका निभाए। भारत डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और यदि भारत-अमेरिका इस क्षेत्र में सहयोग को गति प्रदान करते हैं तो चीन का प्रभाव कम किया जा सकता है क्योंकि भारत उत्पादन की क्षमता रखता है। इस समय चीन परेशान है कि अमेरिका ने नयी रणनीति अपनाकर चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जारी अमेरिका यात्रा का मुख्य उद्देश्य जहां दो लोकतांत्रिक देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना होगा, वहीं चीन द्वारा विश्व के कमजोर देशों को वित्तीय जाल में फंसाने की नीति के चलते एशिया व अन्य महाद्वीपों में उसके बढ़ते प्रभाव को रोकना रहेगा। इस संदर्भ में पीएम नरेंद्र मोदी का ट्वीट काफी अहम है कि 'इस बात से अत्यंत रोमांच अनुभव कर रहा हूं कि मैं अमेरिकी संसद के दोनों सदनों को सम्बोधित करूंगा। अमेरिका के साथ हमारी महत्वपूर्ण भागीदारी, दोनों देशों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित मित्रता और लोगों में बढ़ता भाईचारा विश्व में शांति और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी।' ऐसे में भारत और अमेरिका संयुक्त रूप से चीनी आक्रामकता के मुकाबले के लिए रणनीति बना सकते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि चीन अड़ियल रुख के कारण भारतीय क्षेत्र पर अपने अतिक्रमण को छोड़ने को तैयार नहीं है। वहीं विश्व के समक्ष स्वयं को एक उदार राष्ट्र सिद्ध करने के लिए भारत के साथ वार्तालाप के दौर जारी रख रहा है जबकि किसी भी बात पर सहमत नहीं हुआ। इसी कारण भारत सजग है। विश्लेषकों का मानना है कि चीन एक रणनीति के तहत गरीब व छोटे देशों को कर्जदार बना रहा है और दक्षिण एशिया के राष्ट्रों को चीन की इस नीति से बचाने में भारत-अमेरिका सहयोग अहम हो सकता है। इससे विश्व में चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी रोक लग सकेगी। मोदी और बाइडन इन मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हाल के दिनों में भारत और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों में वार्ताओं के कई दौर हुए हैं जिनमें भविष्य की रणनीति का खाका तैयार किया गया ताकि तकनीकी स्तर पर अधिक आदान -प्रदान हो जो भारत को औद्योगिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम होगा। प्रधानमंत्री मोदी का सपना है कि आत्मनिर्भरता के बाद भारत विश्व शक्ति बन कर उभरे। समझा जाता है कि सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण वायु, थल और समुद्र के नीचे टोह लेने एवं गतिविधियों पर नजर रखने की तकनीकों पर समझौते तैयार किये जाएंगे। भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति इन पर मोहर लगाएंगे। इन समझौतों के बाद भारत को उच्चतम और आधुनिक तकनीक मिल सकेगी जो भारत के रक्षा उद्योग को नए पंख लगाएगी। इन समझौतों को इंडस एक्स का नाम दिया गया है। दुनिया भारत और रूस के दशकों से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों से वाकिफ है। अमेरिका के सख्त विरोध के बावजूद भारत ने रूस से पेट्रोल आदि आयात को बंद नहीं किया। मोदी इस विषय में भारत का पक्ष अवश्य रखेंगे। यह भी चर्चा का विषय होगा कि भविष्य में देश के हितों की अनदेखी किए बगैर किस प्रकार रूसी तेल पर निर्भरता कम की जा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि मोदी की यह यात्रा विश्व के सभी देशों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा समय में जब चीन अपनी औपनिवेशिक गतिविधियां तेज कर रहा है, अमेरिका को इस पर अंकुश लगाने के लिए भारत का साथ जरूरी है। यह भारत के लिए भी महत्व रखता है क्योंकि चीन देश की सीमाओं पर निरंतर अतिक्रमण से बाज नहीं आ रहा। इस यात्रा के दौरान रक्षा और औद्योगिक सहयोग के कई समझौतों पर हस्ताक्षर होंगे। विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका को चीन की रोड एंड बेल्ट परियोजना से चिंता है क्योंकि समझा जाता है कि इसको मोहरा बना कर चीन दक्षिण एशिया के देशों पर प्रभुत्व कायम करने का प्रयास कर रहा है। चीन निरन्तर दक्षिण चीन सागर पर आधिपत्य जमाने का प्रयास कर रहा है जिसके कारण जापान और अमेरिका के इस क्षेत्र के सहयोगी देशों का चिंतित होना स्वाभाविक है।

मोदी का प्रयास रहेगा कि इस स्थिति में भारत अमेरिका के सहयोग से चीन को रोकने में अहम भूमिका निभाए। भारत डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और यदि भारत-अमेरिका इस क्षेत्र में सहयोग को गति प्रदान करते हैं तो चीन का प्रभाव कम किया जा सकता है क्योंकि भारत उत्पादन की क्षमता रखता है। इस समय चीन परेशान है कि अमेरिका ने नयी रणनीति अपनाकर चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम की है। अमेरिका प्रयासरत है कि नए उत्पादन क्षेत्र विकसित कर चीन के कंप्यूटर चिप पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त की जाए। भारत की इस क्षेत्र में अहम भूमिका होगी। यदि ऐसा हुआ तो भारत इन चिप्स के उत्पादन के लिए अहम होगा। हाल ही में भारत और अमेरिका के उच्च अधिकारियों ने छह माह की लंबी मंत्रणा के बाद इस द्विपक्षीय बातचीत के मसौदे को अंतिम रूप दिया था। अब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने दिल्ली में प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले बातचीत की। दोनों सुरक्षा सलाहकारों ने आपसी सहयोग की लंबी अवधि की महत्वाकांक्षी परियोजना के मसौदे पर प्रकाश डाला और उन्नत तकनीक के सात क्षेत्रों जिनमें दूरसंचार, सेमी कन्डक्टर निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों का खुलासा किया। इसी कड़ी में भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने वॉशिंगटन में अमेरिका की सहायक सचिव विक्टोरिया नुलैंड से भेंट कर वार्तालाप के लिये भूमिका तैयार की। इस घटनाक्रम से स्पष्ट है कि दोनों देशों का मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग से व्यापार बढ़ाना व दक्षिण एशिया क्षेत्र की सुरक्षा को भी मजबूती देना है। विशेषज्ञों का मानना है कि मोदी का दौरा भारत-अमेरिका संबंधों को नयी ऊर्जा प्रदान करेगा और चीन की उपनिवेशवादी नीति पर अंकुश लगाएगा।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

विधवा नही अपने दिवंगत पति की पत्नी है वह

(लेखिका -निमिषा सिंह)

(23 जून विश्व विधवा दिवस)

आज का दिन 23 जून उन महिलाओं को समर्पित जिनका आज भी हम में से ज्यादातर लोग सुबह उठकर चेहरा देखना पसंद नही करते। शुभ कामों में जिनकी मौजूदगी मात्र ही अशुभ मान ली जाती है। आज अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस है। विधवा शब्द भावनात्मक रूप से पत्नी को उसके दर्दनाक नुकसान की याद दिलाता है या यूं कहें कि पल पल याद दिलाया जाता है। सफेद कपड़े पहने मायूसी में लिपटी परेशान करने वाली की छवि। उन सभी खुशियों से वंचित रहने वाली जो त्योहार और पारिवारिक समारोह के उत्सव के साथ आती है। कल तो वो पत्नी थी अचानक उसका दर्दनाक नामांकरण क्यों? उसकी पूरी जिंदगी एक विशेष जीवन शैली के अधीन क्यों? समर्थन की जगह सहानुभूति क्यों ? उसे उसके दिवंगत पति की पत्नी ही क्यों नही रहने दिया जाता। विधवा शब्द ही क्यों? मुझे याद नहीं की आखिरी बार मैंने विधुर या सधवा कब सुना था।

त्याग अर्थात औरत फिर चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में रहती हो किसी भी धर्म या मजहब की हो। जन्म से लेकर मरण तक अपनी खुशियां और तमन्नाओं का त्याग करना सीख लिया है उसने। यहां तक कि पति की मृत्यु के बाद अपने शरीर तक का त्याग । भारत में विधवाओं को हमेशा से ही अस्वीकृति और उत्पीड़न के अधीन किया गया है। सती प्रथा इसका सबसे पुराना और स्पष्ट उदाहरण है। कानूनन भले ही एक विधवा स्त्री को अधिकार प्राप्त है पर सामाजिक तौर आज भी उसे दोयम दर्जे का महसूस कराया जाता है। किसी भी धर्म में विधवाओं के पुनर्विवाह की मनाही नहीं है। वेदों में भी एक विधवा को अन्य अधिकारों के साथ दूसरा विवाह करने की अनुमति है बावजूद इसके समाज के ठेकेदारों द्वारा शास्त्रों और धर्म के नाम पर आज भी विधवाओं को अपने जीने का मकसद ढूंढने की आजादी नहीं दी जाती। यदपि सरकारी पन्नों में बने कानूनों से विधवा विवाह संभव हो सका है पर सामाजिक रूप से विधवा आज भी पुनर्विवाह के विषय में सोचने से कतराती हैं। शादी सात जन्मों का रिश्ता है ऐसे में पुनर्विवाह कैसे संभव है? ये तो पाप होगा। लोग क्या कहेंगे? उनकी पूरी जिंदगी महज इन्ही तीन शब्दों के इर्द गिर्द घूमती है। निसंदेह विधवापन की शर्म इतनी मजबूत है और इतने समय से अस्तित्व में है कि यह जल्दी खत्म नहीं होगी विशेषकर ग्रामीण परिवेश मे।

हालांकि आज का समाज पढ़ा लिखा है, समझदार है लेकिन उसकी सोच पुरानी है। आज भी विधवाओं को सामाजिक या पारिवारिक उत्सव में शामिल ना करके उसके अस्तित्व को पूरी तरह से नकारा जाता है। रांडो से घर में नहीं बैठा जाता सुबह-सुबह शक्ल देख लो तो सारा दिन खराब निकलता है जाहिर है यह सुनकर एक विधवा अपने अस्तित्व पर प्रश्न उठाते हुए एक पल को सोच लेती होगी कि उसे अपने पति के साथ ही मर जाना चाहिए था। निसंदेह हमारे देश में विधवा होना एक पाप है। एक ऐसा पाप जो कभी हुआ ही नही फिर भी प्रायश्चितके के तौर पर करोड़ों विधवाओं को उनकी बुनियादी गरिमा से वंचित रखा जा रहा है। आप सोच रहे होंगे कि आज कल यह सब कहां होता है। अब तो विधवा स्त्री कुछ ही महीनो में दूसरा विवाह भी कर लेती है। यकीन मानिए आज भी देश के एक बड़े हिस्से में विधवा को बोझ समझकर घर के एक कोने में फेंक दिया जाता है। यहां तक कि संपत्ति के लालच में परिवार वालों द्वारा डायन और चुड़ैल घोषित कर उसे गांव से निष्कासित कर दिया जाता है। कई मामलों में तो विधवाओं की हत्या तक कर दो गई। हजारों को संख्या में तो विधवा मांओं को खुद उनके बच्चों ने वृंदावन और बनारस जैसे तीर्थस्थलों में मरने के लिए छोड़ दिया। इन तीर्थस्थलों पर विधवाओं की बढ़ती संख्या और उनके हालात इसकी गवाही देते हैं कि उनके प्रति सोच नही बदली है। मंदिरों में भजन कीर्तन कर, या भीख मांगकर अपना पेट पालने वाली उन विधवा मांओं के दर्द को अपने शब्दों में पिरोना आसान नहीं है मेरे लिए। पति की मृत्यु का शोक ही काफी नहीं होता कि कट्टर रीति-रिवाजों से बांधकर उसे पल-पल मारा जाता है। आज भी देश के कई हिस्सों में हिंदू संहिता के कठोर आदेशों का पालन करते हुए विधवा स्त्री को जमीन पर सोने, सादा जीवन व्यतीत करने, सिर मुड़ाने,अपनी हर इच्छा का त्याग करने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्हे रंगविहीन कर दिया जाता है।

क्यों छीन लिया जाता है विधवा स्त्री से उसका श्रृंगार? सिर्फ इसलिए कि वह बदसूरत दिखे। पराए मर्दों की नजर से महफूज रह सके क्योंकि अब उसकी रक्षा करने वाला उसका पति उसके साथ नहीं है। यह कैसा विचित्र तर्क है? क्यों उसके खानपान में प्याज लहसुन अचार मांस मछली पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। सदियों से तर्क दिया गया कि यह सभी खाद्य पदार्थ रक्त को उत्तेजित कर योन जुनून को बढ़ावा देते हैं जिससे विधवा को परहेज करना चाहिए। लेकिन इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता की ये सभी खाद्य सामग्री कुपोषण से बचने के लिए आवश्यक है। तो क्या एक विधवा के जीवन का कोई मोल नहीं। क्या उसे शीघ्र अति शीघ्र कुपोषित होकर अपना शरीर त्याग देना चाहिए। यह है हमारे देश में एक विधवा होने की सजा। विधवा दिवस हमें उन सभी आर्थिक कठिनाइयों और संवेदनहीनता पर विचार करने पर विवश करता है जिसका सामना ये शोक संतृप्त महिलाएं कर रही हैं। पति को खोने के बाद समाज की चुनौतियों और संघर्षों का सामना करने वाली हर विधवा मां और बहन को मेरा नमन। बदलाव की शुरुआत हम अपने परिवार ,पड़ोस से करें। उपेक्षा की शिकार इन महिलाओं को औरों की ही तरह सम्मानजनक जीवन जीने दें। आइए हम सभी अंतरराष्ट्रीय विधवा दिवस पर विधवा महिलाओं को सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित करें।

पशुधन आयात-निर्यात बिल वापस लेकर सरकार ने दिखाई समझदारी

(लेखक - सनत जैन)

केंद्र सरकार ने पशुधन उत्पाद परिवहन बिल 2023 के प्रस्ताव को वापस ले लिया है। सरकार ने पब्लिक डोमेन पर प्रस्तावित विधेयक का प्रस्ताव, सुझाव एवं आपत्ति के लिए रखा था। सरकार के इस प्रस्ताव का बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। भारी विरोध को देखते हुए सरकार ने अपने पोर्टल से इस प्रस्तावित बिल का प्रस्ताव हटा लिया है। इससे यह माना जा रहा है, कि अब इस पर सरकार जल्द कोई कानून नहीं बनाएगी। यह भी चर्चा है कि जिस तरह से भारत के सभी वर्गों द्वारा इस प्रस्ताव का विरोध किया गया। उससे विधानसभा के आसन्न चुनाव और लोकसभा के चुनाव में इसका विपरीत असर पड़ना तय था। जिसके कारण सरकार ने आनन-फानन में प्रस्ताव वापस ले लिया। इस प्रस्ताव के विरोध में जैन समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,शाकाहारी समाज के संगठनों एवं अन्य समूहों ने भी भारी विरोध किया था। इस बिल में प्रस्ताव किया गया था, कि जीवित पशुधन को विदेशों में निर्यात किया जाएगा। भारत, मांस का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा निर्यातक है। पिछले वर्षों में भारत से मांस निर्यात में वृद्धि हुई है। भारत से अन्य देशों में बीफ मांस भी निर्यात किया जा रहा है। इसका लगातार भारत में विरोध हो रहा है। इसी बीच जीवित पशुधन के निर्यात करने के प्रस्तावित बिल ने आग में घी डालने का काम किया था। पशु प्रेमियों और शाकाहारी समाजों द्वारा इस बिल का बड़े पैमाने पर विरोध किया। इसके बाद अन्य समाजों ने भी जीवित पशुओं के निर्यात का भारी विरोध किया। सरकार के इस प्रस्ताव का बड़े पैमाने पर विरोध शुरू हुआ। उतना अन्य किसी मामले में कभी विरोध देखने को नहीं मिला। वर्तमान केंद्र सरकार हिंदुओं की सरकार मानी जाती है। उसके द्वारा इस बिल को लाया गया। जिसके कारण भाजपा और संघ की छवि पर बड़ा विपरीत असर पड़ने लगा था। जिसके कारण सरकार ने हड़बड़ाहट में इस प्रस्ताव को वापस लिया। पशु प्रेमियों का कहना था, इस बिल से जीवित पशुओं के साथ क्रूरता होगी। विदेश में भेजे जाने वाले पशुओं का वध विदेशों में किया जाएगा। वहीं मांसाहारी समाज जो मांस खाती है, उसने भी पशुधन निर्यात के विरोध में ज्ञापन केंद्र सरकार को भेजे थे। भारत से यदि पशुधन विदेशों में भेजा जाएगा, तो भारत में भी खाद्य पदार्थ के रूप में मांस के रेट बहुत तेजी के साथ बढ़ाना तय था। बड़ी संख्या में लोगों ने ऑनलाइन विरोध भी दर्ज कराया। भारत से यदि जीवित पशुओं को निर्यात किया जाएगा तो यहां पर खाद्य पदार्थ के रूप में असंतुलन बढ़ेगा। मांसाहारी समाज ने भी जीवित पशुओं के निर्यात का विरोध किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को आहत नहीं होने देने, और जानवरों के साथ क्रूरता की बात कहकर इस बिल पर अपना विरोध दर्ज कराया। केंद्र सरकार के मत्स्य पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा इसी माह बिल का प्रस्ताव जारी किया था। इसकी जानकारी लगने के बाद पहली बार देश में व्यापक स्तर पर इसका विरोध शुरू हुआ। भारतीय संस्कृति,धार्मिकमान्यताओं के आधार और पशुओं के प्रति क्रूरता के विरोध में, लगभग लगभग सभी समाज और वर्गों द्वारा इस बिल का विरोध किया गया। भारी विरोध को देखते हुए सरकार को यह बिल वापस लेना पड़ा है। बिल वापस होने की जानकारी मिलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। बिल के प्रस्ताव से सभी वर्गों की भावना आहत हुई थी। सरकार ने समय रहते, विरोध को पहचाना, बिल वापस लेकर लोगों की जन भावनाओं का आदर किया है। सरकार के प्रति लोगों का जो गुस्सा बन रहा था, सरकार द्वारा बिल वापस लेने के निर्णय से विरोध शांत हुआ है। केंद्र सरकार के उक्त प्रस्ताव के आने के बाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद और भारतीय जनता पार्टी की साख पर धक्का अवश्य लगा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही वित्तीय और आईटी व तेल कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से आई है। इसके अलावा अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों से भी भारतीय बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 284.26 अंक करीब 0.45 फीसदी नीचे आकर 63,238.89 पर बंद हुआ जबकि शुरुआती कारोबार में बीएसई 63,601.71 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में उतार-चढ़ाव बना रहा और ये 322.52 अंक करीब 0.50 फीसदी नीचे आकर 63,200.63 के स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 85.60 अंक टूटकर 18,771.25 अंक पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार,अमेरिका के केंद्रीय बैंक के ब्याज दरों को बढ़ाने के संकेतों से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है।

आज सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, इंफोसिस, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही जबकि

लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं।

इससे पहले आज सुबह दुनिया भर से मिले खराब संकेतों की वजह से गुरुवार के कारोबारी दिन घरेलू बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। सुबह सेंसेक्स में 60 अंकों की गिरावट दर्ज हुई और यह 63,463.95 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 50 लगभग 10 अंकों की गिरावट के साथ 18,847 पर कारोबार करता दिखा। प्री-ओपनिंग में बाजार में हल्की बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 79.65 अंकों की बढ़त के साथ 63,602.80 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 22.70 अंक बढ़कर 18,879.50 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं एसजीएक्स निफ़्टी भी आज सुबह हल्की गिरावट के साथ खुला है। यह 37 अंक गिरकर 18,872 पर कारोबार करता दिखा।

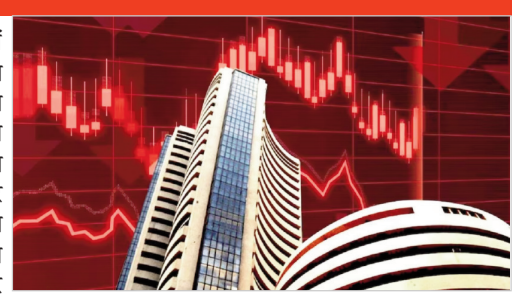

वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। जापान में निक्केई 225 0.22 फीसदी गिर गया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.35 फीसदी ऊपर था, और ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 में 1.2 फीसदी की हानि देखी गई

स्नैपचैट ने भारतीय यूजर्स के लिए पेश किए दो नए एआर लेंस

मुंबई । पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट ने देश में यूजर्स के लिए दो नए निकनेम-थीम वाले ऑग्मेंटेड रियलिटी (एआर) लेंस पेश किए। रिपोर्ट के अनुसार, नए एआर लेंस इंडियाज टॉप निकनेम्स और माय निकनेम हैं। कंपनी ने कहा कि इंडियाज टॉप निकनेम्स लेंस में देश के पसंदीदा निकनेम की विशेषता वाले पांच बीस्पोक डिजाइन शामिल हैं। इतना ही नहीं, पहली बार भारतीय अपना निकनेम बनाने के लिए माई निकनेम लेंस को कस्टमाइज कर सकते हैं। कंपनी ने भारतीय निकनेम कल्चर पर यूजीओवी के साथ साझेदारी में नया रिसर्च भी जारी किया, जिससे निकनेम्स के साथ लोगों के आकर्षण का पता चलता है। रिसर्च के अनुसार, भारतीय युवा अपने उपनामों (निकनेम्स) का ऑनलाइन उपयोग करना पसंद करते हैं। आंकड़ों से पता चला कि 96 प्रतिशत से अधिक भारतीयों के जीवन में कम से कम एक निकनेम रहा है। स्नैपचैट के डायरेक्टर, मीडिया पार्टनरशिप- एपीएसी कनिष्क खन्ना ने कहा कि निकनेम भारतीय जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है और हमें हमारे वास्तविक कनेक्शन-दोस्तों या परिवार द्वारा दिया जाता है। कंपनी ने कहा कि सोनू, बाबू, माचा, शोना और पिंकी देश में सबसे लोकप्रिय प्रचलित निकनेम हैं। नए लेंसों का उपयोग करने के लिए, यूजर्स को केवल लेंस कैरोसेल में एन टॉप निकनेम्स और माई निकनेम इन को सर्च करना होगा।

हैकर ने टेस्ला का एक हिडन फीचर खोजा

वाशिंगटन । एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के एक सॉफ्टवेयर हैकर ने टेस्ला के एक हिडन फीचर एलन मोड की खोज की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस फीचर के जरिए टेस्ला के ग्राहक हैंड्स-फ्री फुल सेल्फ-ड्राइविंग कर सकते हैं। इस फीचर को खोजने वाले हैकर को ऑनलाइन ग्रीने थियोनली के नाम से जाना जाता है। कई सालों से ग्रीनथियोनली टेस्ला के वाहन कोड फीचर्स के बारें में गहराई से अध्ययन कर रहा था, जिसके दौरान उसे पता चला कि आधिकारिक तौर पर सक्रिय होने से पहले टेस्ला आपको अपनी पावर सीटों या मॉडल 3 के केंद्र कैमरे का उपयोग करने से कैसे रोक सकता है। ईलॉन मोड की खोज और उसे एक्टिवेट करने के बाद, हैकर ने इस सिस्टम का परीक्षण किया और अपने इस अनुभव की कुछ फुटेज भी ट्विटर पर पोस्ट की। हालांकि हैकर ने ईलन मोड के सटीक ऑन-स्क्रीन प्रतिनिधित्व का खुलासा नहीं किया, लेकिन उसका कहना है कि यह एक वास्तविक खोज है। हैकर ने अपनी खोज में यह भी पाया कि टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग सॉफ्टवेयर का उपयोग करते समय कार को उनके ध्यान की आवश्यकता नहीं थी।

गो फर्स्ट ने ऋणदाताओं से मांगे 600 करोड़

मुंबई । वित्तीय संकट का सामना कर रही घरेलू एयरलाइन गो फर्स्ट ने ऋणदाताओं की बैठक में एक बार फिर फंड की मांग की है। एयरलाइन दिवाला प्रक्रिया का सामना कर रही है और अपने परिचालन को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रही है। बैंकिंग सूत्रों के अनुसार एयरलाइन 400 से 600 करोड़ रुपए के बीच अतिरिक्त धनराशि की मांग कर रही है और ऋणदाताओं को अगले 48 घंटों में प्रस्तावों का मूल्यांकन करने की उम्मीद है। हालांकि मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं होने के कारण किसी भी बैंकर ने अपनी पहचान का खुलासा नहीं किया। एक बैंकर ने कहा कि गो फर्स्ट की योजना जुलाई में परिचालन फिर से शुरू करने और 22 विमानों के साथ 78 रोजाना उड़ानें संचालित करने की है। हालांकि इसके लिए एयरलाइन को एविएशन सेक्टर के रेगुलेटर डीजीसीए से मंजूरी लेनी होगी। वहीं एक दूसरे बैंकर ने कहा कि परिचालन को फिर से शुरू करने की योजना रेगुलेटर की मंजूरी समेत कई कारकों पर निर्भर करती है। बता दें कि गो फर्स्ट दिवालियापन फाइलिंग में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक और डॉयचे बैंक को इसके लेनदारों में सूचीबद्ध किया गया है। इन सब से गो फर्स्ट एयरलाइन ने 6521 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज लिया हुआ है।

फिच ने भारत की जीडीपी ग्रोथ बढ़ाई, मंदी का नहीं होगा असर

नई दिल्ली । रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की जीडीपी ग्रोथ को बढ़ा दिया है। फिच ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ रेट अनुमान को 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.3 फीसदी कर दिया है। इस तरह से फिच रेटिंग्स ने अपने पहले के अनुमान में 0.3 अंकों की बढ़ोत्तरी की है। हालों कि इससे पहले फिच ने भारत की वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। जिसका सीधा मतलब है भारत की अर्थव्यवस्था व्यापक आधार वाली ताकत दिखा रही है। जनवरी-मार्च की तिमाही में वृद्धि दर बेहतर रहने के मद्देनजर रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के जीडीपी वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही थी। वहीं 2021-22 में देश की अर्थव्यवस्था 9.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इस मामले में रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था व्यापक रूप से मजबूत है। 2023 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में यह सालाना आधार 6.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। हाल के महीनों में वाहन बिक्री के आंकड़े बेहतर रहे हैं। इसके अलावा पीएमआई सर्वे और ऋण की वृद्धि भी मजबूत रही है। यहां यह बात गौरतलब है कि इससे पहले फिच ने मार्च में ऊंची मुद्रास्फीति और ऊंची ब्याज दरों तथा कमजोर वैश्विक मांग के मद्देनजर 2023-24 के लिए भारत के वृद्धि दर के अनुमान को 6.2 से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था। फिच ने कहा कि 2024-25 और 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी-मार्च की तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर उम्मीद से अधिक रही है। इसके अलावा दो तिमाहियों की गिरावट के बाद विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति भी सुधरी है।

चावल की कीमतों पर लगेगा प्रतिबंध, सरकार ने बढ़ाया स्टॉक

- चावल खरीद चालू विपणन सत्र 2022-23 में अब तक बढ़कर 5.58 करोड़ टन हुई

नई दिल्ली ।

अनाज की कीमत खुले बाजार में महंगा नहीं हो इसके लिए सरकार ने अनाज स्टॉक को बढ़ा लिया है। सरकार की चावल खरीद चालू विपणन सत्र 2022-23 में अब तक बढ़कर 5.58 करोड़ टन पर पहुंच गई है। इसके अलावा सरकार ने 1.22 करोड़ किसानों को 1.7 लाख करोड़ रुपए के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान किया है। खाद्य मंत्रालय के मुतो बिक रबी विपणन वर्ष 2023-24 अप्रैल मार्च में अब तक गेहूं की खरीद 2.62 करोड़ टन रही है, जो पिछले साल की कुल खरीद 1.88 करोड़ टन से कहीं अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि गेहूं और चावल की मौजूदा खरीद से सरकारी भंडार में पर्याप्त खाद्यान्न है। गेहूं और चावल का संयुक्त स्टॉक 5.7 करोड़ टन पर पहुंच गया है, जो देश की खाद्यान्न जरूरतों के लिहाज से संतोषजनक है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) राज्य एजेंसियों के साथ मूल्य समर्थन योजना के तहत धान और गेहूं की खरीद करता है। धान की खरीद की जाती है और उसे मिलों में चावल में बदला जाता है। मंत्रालय के अनुसारे मौजूदा खरीफ विपणन सत्र अक्टूबर सितंबर में 19 जून तक कुल 8.3 करोड़ टन धान की खरीद की गई थी। मिलों में इसे चावल में बदलने के बाद अब

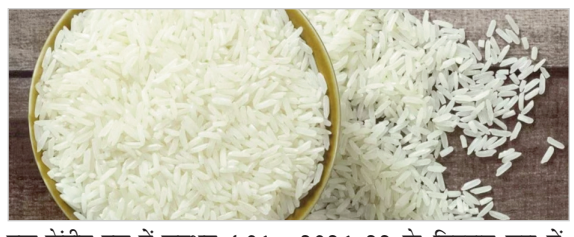

तक केंद्रीय पूल में लगभग 4.01 करोड़ टन चावल प्राप्त हो चुका है। वहीं डेढ़ करोड़ टन चावल अभी मिलना बाकी है। खरीद कार्यक्रम से 1.22 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं। उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में लगभग 1,71,000 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। केंद्र ने 2022-23 के विपणन सत्र में 6.26 करोड़ टन चावल खरीदने का लक्ष्य रखा है। एफसीआई ने 2021-22 के विपणन सत्र में 5.75 करोड़ टन से अधिक चावल खरीदा था। कृषि मंत्रालय के अनुसार चावल उत्पादन 2022-23 फसल वर्ष के लिए रिकॉर्ड 13.55 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि पिछले साल यह 12.94 करोड़ टन था। गेहूं के मामले में 21.29 लाख किसानों को लगभग 55,680 करोड़ रुपए के न्यूनतम समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया है।

रिलायंस ने एक नया ब्रांड इंडिपेंडेंस बाजार में उतारा

नई दिल्ली ।

मुकेश अंबानी की अगुआई वाली रिलायंस ने एक नया ब्रैंड बाजार में उतारा है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अपने मेड फॉर इंडिया कंज्यूमर गुड्स ब्रैंड इंडिपेंडेंस को उत्तर भारत के बाजारों में पेश किया है। आरसीपीएल, रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी है। इससे पहले कंपनी ने गुजरात में इस ब्रैंड को लॉन्च किया था। गुजरात में सफलता के बाद कंपनी ने इंडिपेंडेंस ब्रैंड के प्रोडक्ट्स को पंजाब, हरियाणा, दिल्ली

एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के बाजारों में उतारेगी। इंडिपेंडेंस ब्रैंड में खाद्य तेल, अनाज, दालें, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ और दैनिक जरूरतों की अन्य वस्तुओं सहित प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत श्रृंखला है। इनमें आटा, खाद्य तेल, चावल, चीनी, ग्लूकोज बिस्किट और एनर्जी टॉफी जैसे उत्पाद शामिल हैं। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने बताया कि उसका उद्देश्य भारतीय उपभोक्ताओं को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाले स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध कराना है। कंपनी का कहना है कि इंडिपेंडेंस उत्पाद स्थानीय उपभोक्ताओं की जरूरतों के हिसाब से तैयार किए गए हैं। अधिकतर भारतीय एक भरोसेमंद उपभोक्ता ब्रैंड की तलाश में है, जो सस्ती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद दे सके। इंडिपेंडेंस भारतीय बाजारों में इस अंतर को पाटने के लिए ही बनाया गया है।

ब्रिटेन में खुदरा मुद्रास्फीति की दर अब भी उच्च स्तर पर

लंदन । ब्रिटेन में सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद मुद्रास्फीति की दर अब भी उच्च स्तर पर बनी हुई है जिससे नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है। हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 8.7 प्रतिशत रही जबकि इसके गिरकर 8.4 प्रतिशत पर आने की संभावना जताई जा रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति सालाना आधार पर मई में 8.7 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही। उड़ानों, मनोरंजन सामग्रियों और सांस्कृतिक उत्पादों एवं सेवाओं की बढ़ती कीमतों से मुद्रास्फीति को बल मिला। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिलने पर बैंक ऑफ इंग्लैंड एक बार फिर नीतिगत ब्याज दर बढ़ाने का फैसला कर सकता है। ब्रिटिश केंद्रीय बैंक की गुरुवार को होने वाली बैठक में इस पर फैसला लिया जा सकता है। बैंक ऑफ इंग्लैंड पिछले साल रूस-यूक्रेन संकट गहराने के बाद से ही बढ़ी हुई महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दर में बढ़ोतरी कर रहा है। इस दौरान नीतिगत ब्याज दर बढ़कर 4.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है जो इसका 15 वर्षों का उच्च स्तर है।

इंडिगो-एयरबस समझौता ब्रिटेन के विमानन क्षेत्र के लिए बड़ी जीतः सुनक

लंदन ।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि इंडिगो और एयरबस का समझौता ब्रिटेन के विमानन क्षेत्र के लिए बड़ी जीत है। इससे ब्रिटेन में हजारों नौकरियों के साथ आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलेगा। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो और ब्रिटेन की सबसे बड़ी विमानन विनिर्माता कंपनियों में से एक एयरबस ने 500 ए320विमानों की खरीद संबंधी समझौते की घोषणा की है। यह दुनिया में नागर विमानन के क्षेत्र में विमान खरीद के सबसे बड़े सौदों में से एक है। इसके बाद इंडिगो की ओर से एयरबस को ऑर्डर किए गए कुल विमानों की संख्या बढ़कर 1,330 हो गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा कि यह समझौता हमारे विमानन क्षेत्र के लिए एक बड़ी जीत है। इंडिगो के साथ एयरबस का समझौता ब्रिटेन के लिए अरबों डॉलर मूल्य का है

और इससे देश भर में हजारों नौकरियों को समर्थन मिलेगा जो अर्थव्यवस्था को भी बढ़ाने में मदद करेगा। यह विमान खरीद समझौता इसी सप्ताह पेरिस एयर शो में दोनों कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ था।

नीलामी के बिना छह गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम देने पर होगा घाटाः सीओएआई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनियों के निकाय सीओएआई ने कहा कि नीलामी के बगैर छह गीगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम आवंटन होने से देश को लगभग तीन लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान होने की आशंका है। भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ (सीओएआई) ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों को अपने उपभोक्ताओं को 100 मेगाबाइट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) डाउनलोड स्पीड और 50 एमबीपीएस अपलोड स्पीड देने की जरूरत होती है इसलिए सरकार को 5जी मोबाइल सेवा के लिए छह गीगाहर्ट्ज बैंड में उपलब्ध समूची 1,200 मेगाहर्ट्ज (मेगाहर्ट्ज) फ्रीक्वेंसी चिह्नित कर देनी चाहिए। सीओएआई के महानिदेशक एसपी कोचर ने एक कार्यक्रम में दूरसंचार सेवाओं के लिए छह गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम पर चर्चा करते हुए कहा कि अगर हम मिड-बैंड स्पेक्ट्रम के लिए पिछली नीलामी में मिली कीमत को लेते हैं तो यह लगभग

317 करोड़ रुपए प्रति मेगाहर्ट्ज आती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि कीमत काफी हद तक कम हो लेकिन अगर हम इसे एक संदर्भ बिंदु के रूप में देखें तो नीलामी के बिना छह गीगाहर्ट्ज में स्पेक्ट्रम दिए जाने पर सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान की गणना कोई भी आसानी से कर सकता है।

ओएलएक्स ने 800 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन मार्केटप्लेस और क्लासीफाइड बिजनेस ब्रांच ओएलएक्स ग्रुप ने दुनिया भर में करीब 800 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक संभावित खरीदारों और निवेशकों की खोज के बाद कंपनी ने बाजार में अपनी ऑटोमोटिव यूनिट, ओएलएक्स ऑटो के संचालन को बंद करना शुरू कर दिया है। यह छंटनी बाजार तक सीमित नहीं है। आगे और भी छंटनी की जा सकती है। ओएलएक्स ग्रुप ग्लोबल स्तर पर 30 से अधिक देशों में संचालन करता है और इसका मुख्यालय एम्स्टर्डम में है। ओएलएक्स ग्रुप का कहना है कि उसने इस साल की शुरुआत में ओएलएक्स ऑटो कारोबार से बाहर निकलने का निर्णय लिया और तब से संभावित खरीदारों या निवेशकों का पता लगाया गया है। इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट हो गया कि स्थानीय बाजार में मौजूद महत्वपूर्ण मूल्य को देखते हुए व्यक्तिगत देश की बिक्री का पीछा करना सबसे अच्छा विकल्प था। इसमें चिली, लैटिन अमेरिका में फाइनेंशिंग कारोबार और ओएलएक्स क्लासीफाइड प्लेटफॉर्म और भारत, इंडोनेशिया और तुर्की में ऑटो लेनदेन कारोबार दोनों शामिल हैं। ओएलएक्स ग्रुप ने पोटेंशियल खरीदारों की कमी के कारण अर्जेंटीना, मैक्सिको और कोलंबिया में परिचालन बंद कर दिया है। अन्य बाजारों में इसकी भविष्य की योजनाओं को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ओएलएक्स ने हाल ही में नौकरियों में कटौती जनवरी में अपने ग्लोबल वर्कफोर्स में 15 प्रे तिशत की घोषणा के बाद की है। हालांकि इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि क्या कोई सी-लेवल के अधिकारी प्रभावित हुए थे।

टीसीएस का ब्रिटेन की नेस्ट से 84 करोड़ पौंड का समझौता हुआ

मुंबई ।

देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को ब्रिटेन की कंपनी नेस्ट से पेंशन योजना के लिए सदस्यों को सुविधा देने के लिए 84 करोड़ पौंड का अनुबंध मिला है। टाटा समूह की कंपनी टीसीएस ने कहा कि अगर यह समझौता 18 वर्ष की अधिकतम अवधि तक चलता है तो इसका अधिकतम मूल्य 1.5 अरब पौंड तक जा सकता है। बयान के अनुसार यह करार 10 वर्षों की अवधि के लिए है और दोनों कंपनियों के बीच पहले से चली आ रही साझेदारी का ही विस्तार है। दोनों कंपनियां वर्ष 2011 से ही साथ काम कर रही हैं। टीसीएस ने कहा कि नए समझौते के तहत वह प्रशासनिक सेवाओं में बदलाव करने और पूरे ब्रिटेन के लोगों के लिए बेहतर सेवानिवृत्ति परिणाम देने में मदद करेगी। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी नेस्ट के लिए प्रशासनिक बदलाव लाने के इरादे से टीसीएस अपने मंच बैंस को तैनात करेगी और नेस्ट के 1.2 करोड़ सदस्यों और 10 लाख कर्मियों को सही समय पर सही सूचना तक पहुंच देगी। टीसीएस के अध्यक्ष (बीएफएसआई उत्पाद एवं मंच) विवेकानंद रामगोपाल ने कहा कि पिछले 12 साल से कंपनी नेस्ट के साथ मिलकर ब्रिटेन के लोगों को कामयाब पेंशन योजना देने में मदद करती रही है और अब इसे भविष्य के लिए भी विस्तार दिया जा रहा है।

सैफ चैंपियनशिप : छेत्री की हैट्रिक से भारत ने पहले ही मैच में पाक को 4-0 से हराया

बेंगलुरू (एजेंसी)। कप्तान सुनील छेत्री की हैट्रिक से भारत ने सैफ चैंपियनशिप के पहले ही मैच में पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया। भारत की ओर से छेत्री ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला गोल 10वें मिनट में जबकि दूसरा गोल 16वें मिनट में कर किया। पहले हाफ के बाद दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम का आक्रामक रुख जारी रहा। 74वें ओवर में छेत्री ने एक गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी करने के साथ ही भारत की ओर से तीसरा गोल दागा। इस गोल के साथ ही छेत्री के अंतरराष्ट्रीय खेल जगह में 90 गोल भी हो गए। इसी के साथ ही अब वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं मैच का चौथा गोल उदांता सिंह कुमम ने 81वें मिनट में कर भारत को 4-0 से जीत दिला दी।

वहीं इससे पहले पाक टीम टिकटों की अनुपलब्धता के कारण मैच से पहले दो दो अलग-अलग समूहों में भारत पहुंची क्योंकि एक ही उड़ान में उसे टिकट नहीं मिल पाये थे। दूसरा दल मैच से छह घंटे पहले ही पहुंचा था। इसके बाद भी मैच समय पर हुआ।

खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ सहित पाकिस्तान दल के 32 सदस्यों को एक ही विमान में सीटें नहीं मिली और वे दो समूह में पहुंचे। पाकिस्तान टीम को इस दौरे में शीर्ष स्तर की सुरक्षा मिली हुई है।

टीम बस की सुरक्षा के लिए एक वाहन साथ रखा गया है, टीम होटल और आयोजन स्थल पर पुलिसकर्मियों को कई परत में तैनात करने के साथ एक विशेष सुरक्षा विशेषज्ञ भी भेजा गया है।

भारत के बाद अब उसे दूसरे मुकाबले में 24 जून को कुवैत और 27 जून को नेपाल से खेलना है। सितंबर 2018 के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पहली बार फुटबॉल मैच खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पाक को 4-0 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की है। वहीं पिछले मुकाबले में भी भारत ने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 3-1 से हराया था।

कोविड टीके के कारण हुई थी वॉर्न की मौत

-विशेषज्ञों का दावा , दिल की बिमारियां बढ़ाता है कोरोना का टीका

सिडनी (एजेंसी)। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वॉर्न की मौत के मामले में एक अहम खुलासा हुआ है। वॉर्न की मार्च 2022 में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी थी। अब उनकी मौत की वजह को लेकर आई एक रिपोर्ट से सभी हैरान हैं। इसमें कहा गया है कि वॉर्न की मौत कोरोना टीके कारण हुई थी। वॉर्न गत वर्ष मार्च में छुट्टियां मनाने के लिए थाईलैंड गए हुए थे और वहीं होटल में उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इसी को लेकर अब विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि वॉर्न ने कोरोना से बचने के लिए जो टीक लगवाया था उससे दिल से संबंधित रोग बढ़ता है। वॉर्न की मौत भी दिल का दौरा पड़ने की वजह से ही हुई थी। वॉर्न ने दौरे के 9 महीने पहले कोरोना टीका लगवाया उन्होंने संक्रमण से बचने के लिए कोविड एमआरएनए टीका लगवाया था। एक रिपोर्ट के अनुसार यह ऐसा टीका है जिससे दिल से संबंधित रोग बढ़ते हैं। ऑस्ट्रेलियाई डॉक्टर और ब्रिटेन के कार्डियोलॉजिस्ट (दिल की बीमारियों के विशेषज्ञों) का मानना है कि इस क्रिकेटर की मौत का कारण कोरोना टीकाकरण हो सकता है। इस बारे में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ क्रिस नील और डॉ असीम मल्होत्रा का मानना है कि जो कोरोना टीका वॉर्न ने लगवाया था उससे दिल की बीमारियां तेजी से फैलने का खतरा बढ़ता था। गौरतलब है कि वॉर्न ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 145 टेस्ट और 194 एकदिवसीय मैच में 708 और 293 विकेट लिए थे। उनकी अचानक हुई मौत से खेल जगत हैरान हो गया था। तभी से उनकी मौत के कारणों की जांच चल रही थी।

दिग्गजों को लुभाने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का वेतन बढ़ाएगा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दिग्गज क्रिकेटरों को चयनसमिति में लाना चाहता है। इसके लिए चयनकर्ताओं का वेतन भी बढ़ाया जा सकता है जिससे कि बड़े खिलाड़ी भी चयन समिति में आने को उत्सुक हों। चयनसमिति में कम वेतन और कई पाबंदियों को देखते हुए बड़े नाम इस ओर नहीं आ रहे जिससे खिलाड़ियों का चयन भी मुश्किल हो रहा है। कम अनुभवी खिलाड़ी जब चयन करते हैं तो कई बार गलतियां हो जाती हैं। जानकारों का मानना कम वेतन के कारण चयनसमिति की जगह दिग्गज खिलाड़ी कोच या अन्य काम बेहतर समझते हैं। यही कारण है कि उत्तर क्षेत्र से चेतन शर्मा की जगह बीसीसीआई को तब तक कोई बड़ा नाम नहीं मिला है। पूर्व सलामी बल्लेबाज शिवसुंदर चेतन की जगह अध्यक्ष बनाया गया जबकि एस शरत (दक्षिण), सुब्रोतो बनर्जी (मध्य) और सलिल अंकोला (पश्चिम) चयन समिति में हैं। सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रूपये सालाना वेतन मिलता है जबकि चार अन्य सदस्यों को 90 लाख रूपये सालाना दिये जाते हैं। बड़े क्रिकेटरों की बात करें तो केवल दिलीप वेंगसरकर (2006 से 2008) और कृष्णामाचारी श्रीकांत (2008 से 2012) ने ही यह जिम्मेदारी संभाली थी। वेंगसरकर का काम अवैतनिक था जबकि श्रीकांत के चयनकर्ता बनने के बाद से बीसीसीआई ने वेतन देना शुरू ही किया था। इसके अलावा मोहिंदर अमरनाथ भी चयन समिति में थे और संदीप पाटिल भी इसके अध्यक्ष रहे। इस समय उत्तर क्षेत्र से चयन समिति में शामिल किये जाने के लिये एक ही बड़ा नाम उभरता है और वह है वीरेंद्र सहवाग। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया ,'' प्रशासकों की समिति के कार्यकाल के दौरान सहवाग को मुख्य कोच के पद के लिये आवेदन करने के लिये कहा गया पर बाद में अनिल कुंबले को कोच बनाया गया। ऐसे में अब उन्हें नहीं लगता कि वह

एशिया कप के 'हाइब्रिड मॉडल को पीसीबी अध्यक्ष बनने जा रहे अशरफ ने ठुकराया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अगले अध्यक्ष बनने जा रहे जकी अशरफ ने एशिया कप के लिए बने 'हाइब्रिड मॉडल मॉडल को मानने से इंकार कर दिया है। अशरफ ने कहा कि उन्होंने पहले ही इस मॉडल को खारिज कर दिया था। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष नजम सेठी ने 'हाइब्रिड मॉडल को पेश किया था जिससे भारत और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने भी स्वीकार कर लिया था। इसमें सितंबर में पाक की मेजबानीमें होने वाले एशिया कप के भारत के मैच श्रीलंका में रखे गये थे। अशरफ ने कहा, 'पहली बात तो यह है कि मैं पहले ही एशिया कप के हाइब्रिड मॉडल को ठुकरा चुका हूं क्योंकि मैं इससे सहमत नहीं हूं। जब एससी के बोर्ड ने फैसला किया था कि यह टूर्नामेंट पाक में होगा तो सभी मैच यहीं होने चाहिए।

अशरफ के इस बयान के बाद अब भारत की एशिया कप में भागीदारी के साथ ही इस साल के अंत

में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पाक के भाग लेने पर भी खतरा पैदा हो गया है। यह भी कहा जा रहा है कि पीसीसी के अड़ियल रुख को देखते हुए अब बीसीसीआई भी इसमें कड़ा रुख अपना सकता है। इससे पहले एसीसी के कार्यकारी बोर्ड ने हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी है। यह भी संभव है कि अशरफ अगर अपना रूख नहीं बदलते हैं तो एशिया कप की मेजबानी से पाक को बाहर भी किया जा सकता है। वहीं एसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, 'एशिया कप मॉडल को एसीसी ने स्वीकार किया है और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अशरफ जो चाहे, वह कहने के लिए स्वतंत्र हैं। हाइब्रिड मॉडल को बीसीसीआई सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली एसीसी ने स्वीकार किया था। भारतीय बोर्ड पहले ही कह दिया था कि वह अपनी टीम पाक नहीं भेजेगा।

सेठी के अध्यक्ष पद से हटते ही पीसीबी का रुख बदल गया है। अशरफ ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह नहीं चाहते कि बेमानी मैच पाकिस्तान में कराए जाएं। उन्होंने कहा, 'सभी मुख्य मैच पाकिस्तान से बाहर होंगे। नेपाल और भूटान जैसी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी जो फायदेमंद नहीं है। साथ ही कहा कि बोर्ड ने पहले किस आधार पर मंजूरी दी ये मुझे समझ नहीं आया है। मैं देखता हूं कि इतने कम समय में क्या हो सकता है। हम वही करेंगे जो पाकिस्तान के लिए बेहतर हो।

विश्वकप के लिए पाक के सभी मैच स्थलों पर फैसला बीसीसीआई ही करेगा

मुम्बई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए पाकिस्तान टीम के सभी मुकाबलों को तय करने का अधिकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को दे दिया है। यह पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के लिए एक करारा झटका बताया जा रहा है। इससे पहले पीसीबी ने भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के कुछ स्थलों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें बदलने को कहा था। वहीं आईसीसी ने मैच के जगहों को बदलने से साफ मना कर दिया है। . एक रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में आईसीसी और मेजबान बीसीसीआई की एक बैठक भी हुई थी। इसमें पाक द्वारा अहमदाबाद, चेन्नई और बैगलोर के मैचों को कहीं और आयोजित कराने की अपील की थी। वही आईसीसी ने अपने फैसले की आधिकारिक तौर पर जानकारी पीसीबी को भी दे दी है। आईसीसी और बीसीसीआई ने मैच की जगह में बदलाव के मामले में कहा कि जब तक पिच या जगह को लेकर कोई परेशानी ना हो ऐसा नहीं किया जा सकता। साथ ही कहा कि मैच के आयोजन स्थल की सुरक्षा को लेकर कोई चिंता की बात हो तो इसमें बदलाव किया जा सकता है। अभी इन सब में से कोई भी कारण नहीं दिख रहा है। इसलिए बदलाव की मांग को खारिज कर दिया गया है।

धोनी अपने भविष्य को लेकर सीधे टीम मालिक से बात करेंगे : विश्वनाथन

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने को लेकर कहा कि इसका फैसला स्वयं धोनी करेंगे। धोनी अभी घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। विश्वनाथन ने हाल ही में धोनी से मुलाकात की थी और उनकी सेहत को लेकर बातें की थीं। धोनी अब सर्जरी के कारण फरवरी तक मैदान में नजर नहीं आएंगे। .विश्वनाथन ने कहा, धोनी को अच्छे से पता है कि आगे उन्हें क्या करना है। अगर उन्हें आईपीएल से संन्यास लेना होगा। तो वो सीधे ही टीम मालिक एन श्रीनिवासन को इसकी जानकारी देंगे। साल 2008 की शुरुआत से ही वह सीधे सीएसके प्रबंधन से बात करते हैं। यही आगे भी चलता रहेगा। विश्वनाथन ने साथ ही कहा कि धोनी पहले मैच से ही घुटने का दर्द झेल रहे थे पर किसी को शिकायत करे बिना वह टीम के लिए खेलते रहे। उन्होंने अपनी घुटने की तकलीफ को लेकर कभी किसी तरह की शिकायत नहीं की जबकि सभी का पता था कि वह ठीक से दौड़ भी नहीं पा रहे थे। फाइनल जीतने के बाद ही उन्होंने कहा था अब मैं घुटने की सर्जरी कराऊंगा।

श्रीलंका दौरे के लिए आबिद सहित तीन क्रिकेटरों को शामिल नहीं करने पर भड़के अफरीदी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अगले माह होने वाले श्रीलंका दौरे के लिए आबिद अली, जाहिद महमूद और उस्मान सलाहुद्दीन जैसे खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने के लिए चयनकर्ताओं की आलोचना की है। अफरीदी ने कहा कि घरेलू सर्किट में प्रतिभा और योगदान के बाद भी इन खिलाड़ियों की उपेक्षा की गयी है। अफरीदी ने कहा, हमने एक टेस्ट खिलाड़ी तैयार किया। वो बीमार पड़ गया, इलाज हुआ, और फिर ठीक हो गया। मैं आबिद अली के बारे में बात कर रहा हूं। अब वो आदमी कहां है? मुझे समझ नहीं आ रहा है और उसके अलावा, आपने दो बाएं हाथ के स्पिनरों को टीम में रखा। टीम में जाहिद महमूद नाम का एक लेग स्पिनर था, वह कहां है? उन्होंने साथ ही कहा, टीम के अन्य सभी खिलाड़ी ठीक हैं पर हमारे खिलाड़ी चोटों के कारण कुछ समय के लिए टीम से बाहर हो जाते हैं, और फिर उन्हें टीम में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मेरा मानना है कि उस्मान पहले पाकिस्तान के लिए खेल चुके हैं और उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। कहां है वह? मेरा मतलब है, आप पूरी तरह से नए खिलाड़ियों को ही अवसर मौके देते हैं। आप उन खिलाड़ियों को अवसर नहीं देते जिनमें आपने खर्च किया है। ऐसा लगता है कि उन की जानबूझकर अनदेखी हो रही है। आबिद ने 16 टेस्ट मैच खेले हैं और 49.16 की औसत से 1180 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्द्धशतक और चार शतक शामिल हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ था। हालांकि उस्मान ने केवल एक टेस्ट मैच खेला है, लेकिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 139 प्रथम श्रेणी मैचों में भाग लिया और 48.96 की औसत से 53 अर्धशतक और 28 शतक सहित 9254 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 219 रन है।

संजय मांजरेकर की भारतीय चयनकर्ताओं को सलाह, टेस्ट क्रिकेट के लिए ऐसे खिलाड़ियों को ढूंढे

बेंगलुरू (एजेंसी)। जून की शुरुआत में लंदन के ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023 के फाइनल में भारत की अपमानजनक हार के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने चयनकर्ताओं को एक सुझाव दिया है। सभी महत्वपूर्ण टेस्ट मैच में हार ने भारतीय टीम को आईसीसी नॉकआउट मैचों में उनके निराशाजनक प्रदर्शन के लिए भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। विशेष रूप से अजिंक्य रहाणे और शार्दुल ठाकुर के अलावा किसी भी भारतीय बल्लेबाज ने एकमात्र टेस्ट की एक पारी में पचास से अधिक रन नहीं बनाए।

मांजरेकर ने इस बात पर जोर दिया कि स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड, जो शायद ही कभी सीमित ओवरों का क्रिकेट खेलते हैं, डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार खिलाड़ी थे। पूर्व क्रिकेटर ने टीम इंडिया से ऐसे खिलाड़ियों की तलाश करने का आग्रह किया जो टी20 प्रारूप से खेल के सबसे लंबे प्रारूप में बदलाव से थके नहीं होंगे। मांजरेकर ने कहा, 'डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए गेम चेंजर स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड, बहुत अधिक टी20 क्रिकेट नहीं खेलते हैं। इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों को ढूंढना होगा जो थके हुए न हों या जिन्हें आईपीएल से टेस्ट क्रिकेट में समायोजन न करना पड़े।'

57 वर्षीय ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं को उन खिलाड़ियों को पुरस्कृत करना शुरू करना होगा जो घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और विदेशी परिस्थितियों में सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अब समय आ गया है कि हम उन लोगों को पुरस्कृत करना शुरू करें जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। चयनकर्ता उन खिलाड़ियों पर विचार कर सकते हैं जिनमें भविष्य के टेस्ट खिलाड़ी बनने और विदेशी परिस्थितियों में सफल होने की क्षमता है। मैं कम से कम तीन नए बल्लेबाजों और नए तेज गेंदबाजों को खेलते हुए देखना चाहूंगा।'

भारत का आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरा जुलाई-अगस्त में वेस्टइंडीज दौरा होगा जिसके दौरान वे दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेंगे। दो मैचों की टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र 2023-25 में उनका पहला असाइनमेंट होगा। रोहित शर्मा एंड कंपनी के 1 जुलाई तक वेस्टइंडीज पहुंचने की उम्मीद है।

अगले महीने जर्मनी और नीदरलैंड जाएगी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

बेंगलुरु । भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर मोहित शशिकुमार का कहना है कि अब भारतीय टीम दिसंबर में मलेशिया में होने वाले जूनियर विश्व कप के लिए तैयारियों में लगी है। भारतीय टीम ने हाल ही में एशिया कप जीता है जिससे टीम के हौंसले बुलंद हो गये हैं। भारतीय टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। भारत की जूनियर टीम अगले महीने जर्मनी और नीदरलैंड का दौरा करेगी और मोहित ने कहा कि यह दौरा टीम के लिए यूरोप की ताकतवार टीमों के सामने अपने को आंकने का अच्छा अवसर मौका होगा। इससे विश्वकप में टीम को लाभ होगा। मोहित ने कहा, 'एशिया कप का खिताब जीतना शानदार अहसास है और अब हम आधिकारिक तौर पर एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बन गये हैं। यह गर्व की अनुभूति है। मुझे भरोसा है कि पूरी दुनिया अब हमारे खेल पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, 'इससे जूनियर विश्व कप से पहले टीम का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही कहा कि अब हम अपने अनुभव को और बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए हमें यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलना होगा। साथ ही कहा कि जूनियर विश्व कप के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से भी भारतीय टीम को टूर्नामेंट के लिए पहले से रणनीति बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा, 'विश्व कप के लिए जल्दी क्वालीफाई करने से आपको इतने बड़े आयोजन से पहले तैयारी करने के लिए बहुत समय देता है। हमने पहले ही विश्व कप में खेलने के बारे में सोचा था क्योंकि हम जानते थे कि हम एशिया कप से इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। इस युवा गोलकीपर ने कहा, 'हमें अभी काफी काफी मेहनत करनी होगी और आने वाले दिनों में अपने खेल के शीर्ष पर रहना होगा। विश्व कप से पहले, कुछ और दौरे और टूर्नामेंट हैं। इसलिए, हम एक बार में एक कदम उठाएंगे और उन मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।

डायमंड लीग के लुसाने चरण में खेलेंगे नीरज चोपड़ा, लंबी कूद में जेस्विन एल्ड्रिन और श्रीशंकर लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक चैम्पियन भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मांसपेशी के खिंचाव से उबरने के बाद 30 जून को डायमंड लीग के लुसाने चरण में भाग लेंगे। आयोजकों ने इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची जारी की है जिसमें चोपड़ा का भी नाम है। उनके अलावा भारत के जेस्विन एल्ड्रिन और श्रीशंकर लंबी कूद में भाग लेंगे। टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर लिखा है ,'' भालाफेंक में भारत के ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा को चेक गणराज्य के याकूब वालेच और जर्मनी के जूलियन वेबर चुनौती देंगे।'' चोपड़ा ने मांसपेशी में खिंचाव के कारण एफबीके खेल (नीदरलैंड में चार जून) और फिनलैंड में 13 जून को पावो नूरमी खेलों से नाम वापिस ले लिया था।

मेसी अगले माह इंटर मियामी की ओर से पहला मैच खेलेंगे !

मियामी । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी अगले माह 21 जुलाई को मेक्सिको के क्रूज अजुल के खिलाफ लीग कप मैच में इंटर मियामी की ओर से डेब्यू कर सकते हैं। मेसी ने कुछ समय पहले ही फ्रांस के पैरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब को छोड़ा है। अमेरिकी मेजर लीग क्लब के सह-मालिक जॉर्ज मास के अनुसार मेसी ने आठ मई को पीएसजी छोड़ने के बाद इंटर मियामी से जुड़ने की बात कही थी। अर्जेंटीना को तीसरी बार फीफा विश्व कप जिताने मेसी का पहला मैच फोट लॉडरडेल के डीआरवी पीएनके स्टेडियम में खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने इंटर मियामी के साथ ढाई साल का अनुबंध किया है। वह कथित तौर पर एक वर्ष में पांच से छह करोड़ अमेरिकी डॉलर कमायेंगे। जॉर्ज ने कहा कि मेसी के आने अमेरिका में फुटबॉल को विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम जब भी अमेरिका में खेल के बारे में बात करेंगे तो मेसी के पहले और बाद का दौर अलग-अलग होगा। इससे अमेरिकी लीग तेजी से आगे जाएंगी।

आईओसी ने आईओए से सीईओ जल्द नियुक्त करने के लिये कहा, कुश्ती के मसले का भी जल्दी निकाले हल

मुम्बई (एजेंसी)। लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने भारतीय ओलंपिक संघ के सीईओ या महासचिव की नियुक्ति में देरी पर चिंता जताई है। इसके साथ ही देश में कुश्ती महासंघ के मसले को यूडब्ल्यूडब्ल्यू से मिलकर जल्दी सुलझाने का अनुरोध भी किया है। आईओसी ने बुधवार को कार्यकारी बोर्ड की बैठक में कड़ा बयान जारी किया। इस बैठक में उसे भारत के अलावा अफगानिस्तान, ग्वाटेमाला और सूडान की राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों की स्थिति से अवगत कराया गया। आईओसी ने बयान में कहा ,'' भारत की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को कई बार नये सीईओ या महासचिव की नियुक्ति के लिये कहा गया ताकि स्थिति सामान्य हो। लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। आईओसी हालात पर नजर रखे हुए है।''

आईओसी ने आईओए से अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ मिलकर देश के खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले मसलों से निपटने के लिये कहा है। पिछले दो महीने में भारतीय कुश्ती चर्चा में रही है जब ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत शीर्ष भारतीय पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आईओसी ने कहा ,'' भारत की एनओसी से अनुरोध है कि अंतरराष्ट्रीय महासंघों से मिलकर देश के खेल महासंघों को प्रभावित करने वाले मसलों का अंतरराष्ट्रीय महासंघों के नियमों और निर्देशों के अनुरूप हल निकाले।

खासकर भारतीय कुश्ती महासंघ से जुड़े मसले का।'' आईओसी ने इस साल मार्च में कहा था कि आईओए को बिना किसी विलंब के सीईओ की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही आईओसी 2023 सत्र मुंबई में कराने का भी ऐलान किया था। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति द्वारा बनाये गए नये संविधान के अनुसार आईओए को पी टी उषा की अगुवाई में नये पदाधिकारियों के पद संभालने के एक महीने के भीतर सीईओ की नियुक्ति करनी थी जो महासचिव का काम करेगा। आईओए की नयी परिषद ने दिसंबर में कार्यभार संभाल लिया लेकिन सात महीने में सीईओ की नियुक्ति नहीं की गई। आईओए महासचिव कल्याण चौबे सीईओ का काम कर रहे हैं। सीईओ आईओए की कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा जिसे मताधिकार नहीं होगा।

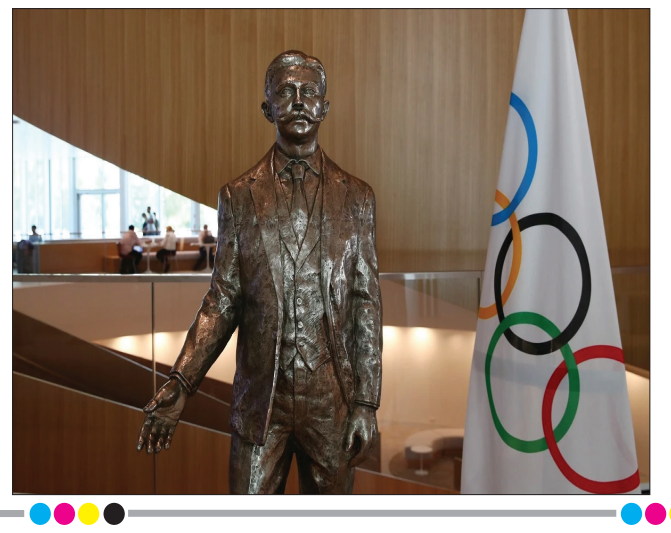

टेक महिंद्रा ग्लोबल चैस लीग - आनंद और आनंद नें किया शुभारंभ

दुबई । भारतीय शतरंज के साथ साथ अब दुनिया भर की शतरंज का समय आज से बदलने जा रहा है । जिस तरह आईपीएल नें क्रिकेट की तस्वीर बदल दी अब वैसी ही कुछ उम्मीद ग्लोबल चैस लीग (जीसीएल) से लोग कर रहे है । भारत की टेक महिंद्रा और विश्व शतरंज संघ सयुंक्त रुप से इस टूर्नामेंट का आयोजन दुबई मे करने जा रहे है । एक रंगारंग कार्यक्रम मे भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद और भारत के जाने माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा नें पहली चाल चलकर इस टूर्नामेंट का उदघाटन किया ।

ग्लोबल चैस लीग के पहले संसकरण में कुल छह टीमों को शामिल किया गया है जो डबल राउंड रॉबिन आधार पर कुल आपस में दस मुकाबले खेलेंगी और इसके बाद शीर्ष टीम प्ले ऑफ में प्रवेश करेंगी ।

प्रतियोगिता में एक अलग तरह का स्कोरिंग सिस्टम रखा गया है जिसमें काले मोहरो से जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त अंक मिलेगा ।

प्रतियोगिता में आज दो मुकाबले होंगे जिसमें त्रिवेणी कॉन्टिनेन्टल किंग से मुंबा मास्टर्स और चिंगारी गल्फ टाइटन्स से गैंग ऑफ ग्रांड मास्टर्स का मुकाबला होगा ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 4 नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं।

पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं।

बचाव के उपाय

- खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।
- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

कई गुणों से भरपूर है नारियल तेल

नारियल तेल के इस्तेमाल के कई फायदे हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

- नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच माक्र्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।
- नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर का मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होता है।
- नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है। स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।
- आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।
- नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।
- नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।
- खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है।

बारिश के मौसम में न करें इन फूड्स का सेवन

बारिश के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इसीलिए इस दौरान हमें खाने-पीने से जुड़ी हुई चीजों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यहां पर आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका बारिश के दौरान सेवन करने से बचना चाहिए।

बारिश के मौसम में न करें इन 5 फूड्स का सेवन होगा, नहीं तो पड़ जाएंगे बीमारबारिश के मौसम में हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें जरा-सी की गई लापरवाही हमारी सेहत के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर देती है। बारिश के मौसम में ज्यादातर लोगों को बीमार पड़ते हुए देखा जाता है क्योंकि गर्मी का मौसम खत्म होने के बाद से तापमान नीचे जाता है और तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नुकसान खाद्य पदार्थों से पहुंचता है और कई प्रकार के फूड्स का सेवन करना बीमारी की प्रमुख वजह भी बन जाता है। इसीलिए यहां पर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका सेवन बारिश के दौरान या फिर सावन के मौसम में आप नहीं करेंगे तो यह आपको बीमारियों से बचाए रखेगा। आपको इसका कारण भी बताया जाएगा कि क्यों इन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

पालक

पालक आपको बारिश के मौसम में भी बड़ी आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसका सेवन ना करने की सलाह दी जाती है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बेहद आसान है। दरअसल बारिश के मौसम में छोटे-छोटे कीटाणु वायरस और बैक्टीरिया जो आंखों से दिखाई भी नहीं देते हैं वह पालक के पत्तों में चिपके रहते हैं। इन कीटाणुओं को भगाने के लिए हानिकारक कीटनाशक का भी प्रयोग किया जाता है, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बैंगन

बारिश के मौसम में कई लोगों के द्वारा बैंगन का चोखा बनाकर भी खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इसका सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, बारिश के मौसम में बैंगन के अंदर छोटे-छोटे कीड़े पड़ना शुरू हो जाते हैं। यह कीड़े पेट दर्द और पेट से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं का प्रमुख कारण भी बन सकते हैं। यही वजह है कि सावन के मौसम में खासकर बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए।

दूध

दूध सेहत के लिए बेहतरीन फायदे पहुंचाता है और हम कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। बारिश के दिनों में दूध का सेवन न करने की सलाह देने के अलग-अलग कारण

बताए जाते हैं। मुख्य रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि बारिश के मौसम में जानवरों को खिलाया जाने वाला हरा चारा बैक्टीरिया और कीटाणुओं का घर बन जाता है। यह दूध की अच्छी क्वालिटी को भी प्रभावित करता है। इस कारण बारिश के दिनों में दूध का सेवन करने से पहले इसे खूब अच्छी तरह उबालना चाहिए। जितना कोशिश हो सके इस दौरान दूध का सेवन करने से बचे रहें और दूध से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के लिए किसी अन्य फूड का सहारा लें।

तले-भुने और स्ट्रीट फूड से करें परहेज

तली भुनी हुई चीजों और खासकर स्ट्रीट फूड का सेवन बारिश के दिनों में नहीं करना चाहिए। इनसे भी संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। स्ट्रीट फूड का सेवन करने के कारण आप विभिन्न प्रकार की परेशानी से जूझ सकते हैं। खासकर यदि आप पानीपुरी का सेवन करते हैं तो पानीपुरी का दूषित पानी डायरिया या फिर लूज मोशन की समस्या खड़ी सकता है। इसलिए बारिश के दिनों में खाने पीने की चीजों में विशेष सावधानी जरूर बरतें।

मांस और मछली

मांस और मछली मुख्य रूप से बारिश के दिनों में नहीं खाना चाहिए। सावन के महीने में खासकर इसका सेवन न करने की सलाह दी जाती है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। इस दौरान हवा में भी कई ऐसे हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं जो मांस और मछलियों को दूषित कर देते हैं। इसके अलावा बारिश के दिनों में मछलियों के अंडे देने का वक्त होता है। अंडा एक विशेष प्रकार की फूड एलर्जी का भी गुण रखता है जो गले में इंफेक्शन हो सूजन का मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए बारिश का सीजन खत्म होने तक नॉनवेज फूड का सेवन करने से बचें।

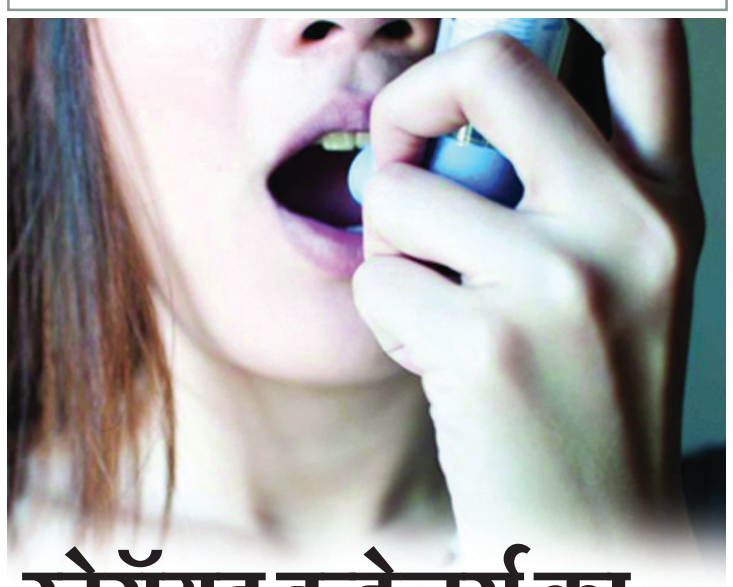

स्टेरॉयड इन्हेलर्स का उपयोग रोकने से अस्थमा के बिगड़ने का खतरा

मौजूदा महामारी में सेहत व स्वास्थ्य को महत्व देना होगा। यह खासकर तब बहुत जरूरी है, जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या फिर आपको किसी बीमारी का इतिहास है। अस्थमा इन्हीं में से एक है। अस्थमा बिगड़ने का मुख्य कारण श्वास की नली में वायरल संक्रमण होना है। अस्थमा के जोखिम वाले लोगों या फिर मौजूदा अस्थमा पीड़ितों के लिए सांस की नली में वायरल संक्रमण बहुत घातक हो सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार सामान्य या फिर गंभीर अस्थमा के मरीजों को बीमारी के और ज्यादा गंभीर होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में लगभग 93 करोड़ लोग सांस की क्रोनिक समस्या से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 37 करोड़ एस्थमेटिक हैं। अस्थमा के वैश्विक भार में भारत का हिस्सा केवल 11.1 प्रतिशत है, जबकि विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत है, जिस वजह से भारत दुनिया की अस्थमा कैपिटल बन गया है। अस्थमा पर सांस के वायरस के प्रभाव के चलते यह बहुत आवश्यक हो गया है कि मौजूदा समय में अस्थमा पीड़ित बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। वायरस निर्मित समस्याओं की रोकथाम के लिए अस्थमा को अच्छी तरह से नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है।'' मौजूदा समय में किसी बीमारी के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग या अत्यावश्यक इलाज के लिए जाना पड़ता है ,जहां पर मरीज को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अस्थमा पीड़ितों को कभी भी अपने कॉर्टिकोस्टेरॉयड इन्हेलर तब तक लेना बंद नहीं करना चाहिए, जब तक कोई मेडिकल प्रोफेशनल उनसे ऐसा करने को न कहे। स्टेरॉयड इन्हेलर का प्रयोग बंद करने से मरीज को संक्रमण का ज्यादा खतरा हो जाएगा क्योंकि इससे अस्थमा का नियंत्रण खराब हो जाता है।'' यदि अस्थमा नियंत्रण में है, तो हॉस्पिटल के क्लिनिक जाने से बचें। आप टेलीफोन पर अपने डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें अपनी प्रगति के बारे में बता सकते हैं। एस्थमेटिक मरीजों को बिना योजना के क्लिनिक नहीं जाना चाहिए। सामान्य से गंभीर अस्थमा से पीड़ित लोगों को वायरल संक्रमण से बहुत ज्यादा बीमारी पड़ने का खतरा रहता है। ये संक्रमण आपकी सांस की नली (नाक, गला, फेफड़ों) को प्रभावित करते हैं, अस्थमा का अटैक लाते हैं और इनकी वजह से निमोनिया या एक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज हो सकती है। एक्यूट लक्षणों से आराम के लिए स्पेसर के साथ एमडीआई का उपयोग किया जा सकता है। नेबुलाईजर्स का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें वायरल संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। नेबुलाईजर्स एयरोसोल्स बनाते हैं, जो संक्रमित ड्रॉपलेट्स को कई मीटर तक फैला सकते हैं। आपका डॉक्टर आपको इन विधियों के बारे में परामर्श देगा। सुनिश्चित करें कि आपके पास नॉन-प्रेस्क्रिप्शन दवाईयों एवं सप्लाई का 30 दिनों का स्टॉक हो, ताकि यदि लंबे समय तक आपको घर में रहने की जरूरत पड़े, तो आपको कोई परेशानी न हो।

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और वैसे भी भारतीय रसोईघर में लहसुन से मिल जायेगा ।इसमें विटामिन, प्रोटीन, खनिज, लवण और फॉस्फोरस, आयरन व विटामिन ए, बी व सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारें में जानते हैं. लहसुन बैक्टिरीअल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगार साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीडा से इन्फेक्शन को रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहुसन के तेल को गर्म करके दो बूंदें रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। छालनकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एन्टीबैक्टिरीअल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। अगर आप अपने बढते मोटापे से परेशान है तो अपनाएं ये लहसुन की दो कलियां को अच्छे से भून लें और फिर उसमें जीरा सैंधा नमक मिलाकर चूर्ण बना लें। इसको आप रोजाना खाली पेट गर्म पानी से लें। कुछ ही दिनों में मोटापा कम हो जाएगा।

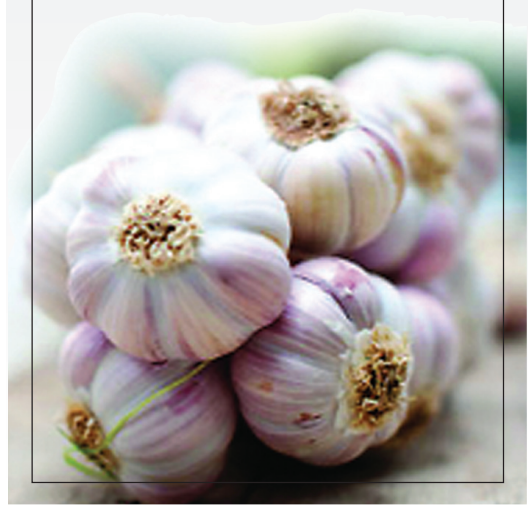

स्वस्थ बनाने के साथ सुंदरता भी बढ़ाती है चीनी

इस भाग-दौड भरी जिन्दगी में हर किसी के कंधों पर काम की जिम्मेदारी इतनी अधिक हो जाती है। कि यह टेंशन कभी-कभी डिप्रेशन का विक्राल रूप धारण कर लेती है जिससे व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है और ना ही डिप्रेशन से बचने के लिए ढेर सारी दवाइयाँ खाने की जरूरत है। आपको जानकर ताज्जुब हो कि सिर्फ चीनी खाने से ही आपको डिप्रेशन से राहत मिल सकती है।

चीनी का प्रयोग फिकेपन को दूर करने को किया जाता है। जब भी आपको शरीर में थकावट या लो महसूस हो तो शुगर से बने पदार्थो का सेवन करें। यह शरीर में शुगर के लेवल को ठीक कर नई ऊर्जा देता है। जैसे फूरड कस्टर्ड, जूस का एक ग्लास, केक का एक टुकडा वगैहर खा कर आप पहले से ज्यादा तरोताजा फील कर सकते हैं।

ब्यूटी बेनेफिट्स

चीनी और नींबू : अगर आप फेस पर कील-मुहांसों से परेशान है तो चीनी में नींबू की कुछ बूंदे मिला ले और इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। अगर आपकी त्वचा धूप की कारण त्वचा काली पड गई है तो 2 चम्मच कॉफी में 1 चम्मच चीनी मिला कर थोडा सा पानी मिलाएं फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे को लगाएं। यकीन मानिये इससे आपको चेहरा साफ और ग्लोंइन हो जाएगा।

सन टैनिंग से परेशान है तो आप चीनी के साथ दही का पेस्ट बना लें फिर इसी पेस्ट से अपने चेहरे को स्क्रब करें, कुछ ही दिनों में सन टैनिंग से राहत मिलेगी।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सीमा को लेकर तनाव

काबुल । अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने 130 वर्ष पुरानी पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा डूरंड लाइन की वैधता पर सवाल खड़े किए हैं। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री और तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मौलवी याकूब मजीद ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा रेखा को काल्पनिक रेखा बताया है। 2021 में तालिबान ने पाकिस्तानी जवानों को तारबंदी करने से रोक दिया था। अफगानिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी हिस्से वाले पश्तून इलाके पर अफगानिस्तान अपना दावा कर रहा है। जिससे अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव भी बढ़ रहा है।

मानवाधिकार का मुद्दा नहीं उठाएगा अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका भारत के साथ बड़ी डील करना चाहता है। जिसके कारण वह कई मुद्दों पर असहमत होते हुए भी, शांत रहेगा। अमेरिका की पूरी कोशिश है,कि भारत के साथ जिन मुद्दों पर अमेरिका की डील होनी है। उसको करने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री के साथ सकारात्मक रुख अपनाया जाए। मानव अधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं को लेकर अमेरिका जो राय पिछले महीनों में व्यक्त कर रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करते समय अमेरिकी प्रशासन अब इन मामलों में मौन रखेगा। अमेरिका का पूरा ध्यान रक्षा सौदा, चीन और रूस के साथ संबंधों और यूक्रेन को लेकर भारत के साथ आपसी सहमति और भागीदारी बढ़ाने के ऊपर पूरा फोकस रहेगा। विवादित मुद्दों को अमेरिका हाल-फिलहाल लाल बस्ते में बांधकर अमेरिका ने रख दिया है।

टाइटैनिक का मलबा देखने गए पनडुब्बी में सवार सभी लोगों की मौत ?

वॉशिंगटन । टाइटैनिक का मलबा देखने गए सभी लोगों की मौत होने की पु ?ष्टि की जा रही है। हालांकि समुद्र में गोता लगाने वाली उस पर्यटक पनडुब्बी को अभी भी खोजा जा रहा है जो रविवार को लापता हो गई थी। इस लापता पनडुब्बी में एक पाकिस्तानी मूल के ब्रिटिश अरबपति और उनका बेटा समेत 5 लोग सवार हैं। अमेरिकी नौसेना समेत दुनिया भर से बचावदल रविवार को लापता हुई इस पनडुब्बी को खोजने में लगे हैं, लेकिन इसका कोई सुराग नहीं लगा है। गणना के हिसाब से पनडुब्बी में सवार लोगों के पास कुछ ही घंटे का ऑक्सीजन बचा है, लेकिन अब एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि शायद ऑक्सीजन होने के बावजूद उसमें सवार सभी लोग पहले ही मर चुके हों। बुधवार को आई रिपोर्ट के मुताबिक जब इस पनडुब्बी ने डुबकी लगाई थी तब इसमें 96 घंटे का ऑक्सीजन था। लेकिन गोता लगाने के कुछ देर बाद ही पनडुब्बी गायब हो गई और तब से इसका ऑक्सीजन लेवल लगातार घट रहा है। माना जा रहा है कि गुरुवार की सुबह 11 या 12 बजे तक ऑक्सीजन पूरी तरह खत्म हो गया होगा। हालांकि रॉयल नेवी के रिटायर्ड अनुभवी डाइवर रे सिंक्लेयर ने दावा किया है कि संभव है कि पनडुब्बी में सवार सभी लोग जहरीली कार्बन डाइऑक्साइड से मर गए हों। इस मामले में मीडिया से बात करते हुए रे सिंक्लेयर ने कहा, इन पनडुब्बियों में बैटरियां होती हैं, जो सीमित समय तक ही चलती हैं। इनमें कार्बनडाइऑक्साइड स्क्रबर होते हैं जो सीओ2 को अवशोषित कर लेती हैं। अगर ये काम न करें तो ऑक्सीजन खत्म होने से पहले ही लोगों का दम घुट सकता है। जहरीली गैस उन्हें पहले ही मार डालेगी। अंदर गैस भरने से उन्हें बहुत जल्दी नींद आ जाएगी और वह धीरे-धीरे मर जाएंगे। सीओ2 को कहीं भी निकलने की जगह नहीं है और मुझे डर है कि वह पहले ही मर चुके होंगे।

12000 प्रवासी भारतीय वाशिंगटन पहुंचे, डबल किराया, होटल फुल

वाशिंगटन । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। इस अवसर पर अमेरिका के 50 राज्यों से 12,000 से अधिक प्रवासी भारतीय वाशिंगटन डीसी पहुंचे हैं। व्हाइट हाउस के आसपास के सभी होटल फुल हैं। किराया भी लगभग दोगुना हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन यहां के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। अमेरिका के विभिन्न राज्यों से जो प्रवासी भारतीय वाशिंगटन पहुंच रहे हैं। उसको देखते हुए हवाई जहाज में भी किराया बढ़ गया है। जो किराया 25000 रुपये था। वह बढ़कर 75000 रुपये तक हो गया है। वहीं जो होटल का रूम 12 से 15000 रुपये में मिल रहा था। वह बढ़कर 25 से 30000 रुपये मे हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखते हुए बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों को वाशिंगटन पहुंचने का आमंत्रण दिया था। जिसके कारण 12000 से अधिक प्रवासी भारतीय वाशिंगटन डीसी में 2 दिन तक बने रहेंगे।

ड्रैगन बोट फेस्टिवल के दौरान रेस्तरां में भयंकर विस्फोट, 31 की जलकर मौत

बीजिंग। उत्तर-पश्चिमी चीन में ड्रेगन बोट फेस्टिवल के दौरान रेस्तरां में हुए सिलेंडर विस्फोट में 31 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यहां एक 'बारबेक्यू' रेस्तरां में रसोई गैस से भीषण विस्फोट हुआ जिसमें 31 लोगों की मौत हो गई और 7 अन्य लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। चीन के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निंग्जिया हुई स्वायत्त क्षेत्र की राजधानी यिनचुआन में बुधवार को एक व्यस्त सड़क पर लोग ड्रैगन बोट फेस्टिवल की छुट्टियों की पूर्व संध्या पर इकट्ठा हुए थे। इस त्योहार पर राष्ट्रीय अवकाश रहता है। तभी रात करीब 8:40 बजे विस्फोट होने से वहां हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से झुलसे 7 लोगों का फिलहाल उपचार किया जा रहा है। यहां पर लोग शीशे टूटने की वजह से भी वह बुरी तरह घायल हो गए। सभी का बेहतर तरीके से इलाज किया जा रहा है। इसके बाद चेन नामक महिला ने बताया कि जब उसने विस्फोट की आवाज सुनी तो वह रेस्तरां से करीब 50 मीटर की दूरी पर थी। महिला ने बताया कि इसके बाद उसने दो कर्मचारियों (वेटर) को रेस्तरां से बाहर निकलते देखा जिनमें से एक गिर गया। रेस्तरां से धुआं निकल रहा था और रसोई गैस की तेज गंध पूरे क्षेत्र में फैल गई। वहीं केंद्र सरकार के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया पर रेस्तरां में खोज तथा बचाव कार्य बृहस्पतिवार सुबह पूरा होने की जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि विस्फोट के कारण का पता लगाने के लिए जांच अधिकारियों को मौके पर भेजा गया है। गौरतलब है कि सुरक्षा में सुधार के सालों के प्रयासों के बावजूद चीन में गैस और रासायनिक विस्फोटों के कारण दुर्घटनाएं असामान्य नहीं हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2015 में भी उत्तरी बंदरगाह शहर तियानजिन में विस्फोट में 173 लोग मारे गए थे।

अज्ञात विस्फोट में 29 लोग हुए घायल, 4 की हालत गंभीर, दो लापता

पेरिस । मध्य पेरिस में हुए एक बड़े विस्फोट में 29 लोग घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह धमाका एक इमारत में हुआ, जहां एक डिजाइन स्कूल और रुए सेंट-जैक्स में कैथोलिक शिक्षा प्रणाली का मुख्यालय स्थित है। आपातकालीन कर्मचारी इमारत के मलबे में से लोगों को खोज रहे हैं, कम से कम दो के लापता होने की सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट से पहले गैस की तेज गंध थी। पेरिस के अभियोजक लॉर बेकुआउ ने घटनास्थल पर पहुंचने के बाद कहा कि कैमरा फुटेज की शुरुआती जांच से पता चलता है कि विस्फोट इमारत के भीतर हुआ, जो वैल डे ग्रेस चर्च के बगल में था। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि अभी तक विस्फोट के कारणों का पता नहीं चला है। वहीं पेरिस के पुलिस प्रमुख लॉरेंट नुनेज ने कहा कि शुरुआत में इमारत में आग लगी थी, लेकिन बाद में आग पर काबू पा लिया गया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और पेरिस की मेयर ऐनी हिडाल्गो घटनास्थल पर हैं, जबकि गृहमंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने लोगों को इस क्षेत्र से दूर रहने की चेतावनी दी है। बताया जा रहा है कि जिस क्षेत्र में विस्फोट हुआ वह पेरिस के लेफ्ट बैंक क्षेत्र में लैटिन क्वार्टर से दक्षिण की ओर चलता है जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है और अपनी छात्र आबादी के लिए जाना जाता है। बुलेवार्ड सेंट-मिशेल पर एक प्रत्यक्षदर्शी इकोले डेस माइन्स के एक छात्र ने बताया कि मैं वैल डे ग्रेस के सामने था, मैंने एक बड़ा उछाल सुना और मैंने आग की 20 या 30 मीटर ऊंची उछाली एक गेंद देखी। तेज आवाज हुई और इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। मुझे गैस की गंध आई, लेकिन मुझे होश में आने में कई मिनट लगे। एक अन्य चश्मदीद एंटोनी ब्रोचॉट ने बताया कि जब उसने बड़ा धमाका सुना तो वह घर पर था।

समरसेट में पारंपरिक वेशभूषा में ग्लेसटोनबरी समारोह में भाग लेते हुए लोग।

कुछ एलियन उठाकर ले गए थे मुझे : ग्वेन ब्लाइदे

-47 साल की महिला ने किया यह दावा

वॉशिंगटन। अमेरिकन महिला ग्वेन ब्लाइदे का दावा है कि अब से करीब 30 साल पहले कुछ दूसरे ग्रह के लोगों ने उसे अगवा कर लिया था। उनकी कैद से छूटने के बाद भी अगले 30 सालों तक उसे कुछ याद नहीं रहा लेकिन वो इस घटना के बारे में साफ तौर पर बता सकती है। अब अपनी जिंदगी में सेट हो चुकीं 47 साल की ग्वेन ब्लाइदे कहती हैं कि उन्हें कुछ एलियन उठाकर ले गए थे। वे तब 18 साल की थीं और अपने अपने दोस्त के साथ सफोल्क में एयरबेस के पास मौजूद थीं। बाहर अंधेरा था और रात के 1 बज रहे थे। उन्हें एक लाल रोशनी आती दिखी। धीरे-धीरे ये 6 रोशनियां हो गईं और वे घूमने लगीं। वे घर की ओर भागे और रोशनी उनके पीछे पड़ी हुई थी। ये काफी विशाल होती जा रही थी। ग्वेन का कहना है कि उन्होंने घर पहुंचकर इस बारे में अपनी डायरी में लिखा था, लेकिन अब वो भी गायब है।वे बताती हैं कि अगले एक घंटे तक क्या हुआ, उन्हें कुछ पता ही नहीं चला। अब उन्हें इतना याद है कि उन्हें कुछ ग्रे यानि स्लेटी रंगों वाले जीव इंस्पेक्ट कर रहे थे। उनकी आंखें बादाम जैसी थीं और वे काफी लंबे और बेलनाकार थे। वे बताती हैं कि बिल्कुल ऐसा लग रहा था जैसे मैं स्विच ऑफ हूं लेकिन ये याद है कि वे लोग एक मेज के चारों तरफ मुझे घेरे हुए खड़े थे। ग्वेन के इस दावे में कितनी सच्चाई है ये तो हम नहीं कह सकते लेकिन ये पिछले दावों से काफी मिलती-जुलती कहानी है, जो कई लोग सुना चुके हैं। बता दें कि विज्ञान आज की दुनिया में काफी प्रगति कर चुका है। हालांकि आज भी कुछ ऐसे सवाल हैं, जिसका जवाब वैज्ञानिकों के पास नहीं है। ऐसे ही दिलचस्प सवालों में से एक ये है कि हमारी दुनिया से अलग भी क्या कोई ऐसा ग्रह है, जहां लोग रहते हैं या फिर ये दूसरे ग्रहों के लोग दिखते कैसे हैं? इस पर कोई ठोस जवाब तो नहीं है लेकिन कहानियां आपको बहुत सारी मिल जाएंगी।

मोदी के अमेरिका पहुंचते ही एच-1बी वीजा में ढील देने को तैयार हुए बाइडन

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे लाखों भारतीयों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। जानकारी के मुताबिक बाइडन प्रशासन ने अमेरिका में रहने और काम करने वाले लाखों भारतीयों के लिए एच-1बी वीजा नियमों में ढील देने का मन बनाया है। बाइडन प्रशासन के इस फैसले से हजारों कुशल भारतीय वर्कर्स को अमेरिका में दाखिल होने या फिर रहने पर सुविधा मिलेगी। प्रशासन के करीबी सूत्रों की तरफ से इस बात की जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि भारत क पीएम मोदी 21 जून को वॉशिंगटन पहुंचे जहां गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया गया। 22 जून को पीएम मोदी, राष्ट्रपति बाइडन के साथ हो रही है। गौरतलब है कि एच1बी वीजा प्रोग्राम के सबसे ज्यादा यूजर्स भारतीय हैं। वित्तीय वर्ष 2022 में इस प्रोग्राम के तहत 73 फीसदी भारतीयों को फायदा हुआ। जबकि कुल 442,000 वर्कर्स ने इसके लिए अप्लाई किया था। अब विदेश विभाग की तरफ से जल्द ही इसका ऐलान किया जाएगा। गुरुवार को ही इस बारे में आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

वीजा रिन्यू करने में अब दिक्कत नहीं आएगी। इस ऐलान के बाद कुछ भारतीय और दूसरे विदेशी वर्कर्स को विदेश जाए बिना अमेरिका में ही अपने वीजा को रिन्यू करने का मौका मिल सकेगा। सरकार द्वारा आने वाले समय में इसे एक पायलट प्रोग्राम के तहत बढ़ाया जा सकता है। इस संबन्ध में एक और अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि हम सभी मानते हैं

कि हमारे लोगों की गतिशीलता हमारे लिए एक बड़ी संपत्ति है। इसलिए हमारा लक्ष्य इसे बहुमुखी तरीके से अपनाना है। क्योंकि विदेश विभाग पहले से ही चीजों में बदलाव लाने के लिए रचनात्मक तरीके खोजने के लिए बहुत कड़ी मेहनत कर रहा है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अभी किस प्रकार के वीजा इस प्रोग्राम के योग्य होंगे या फिर पायलट प्रोग्राम को लॉन्च करने का समय क्या होगा।

प्रवक्ता ने कहा कि अगले एक से दो साल के अंदर इस प्रोग्राम को विस्तृत करने के इरादे से कम संख्या के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत होगी। उन्होंने इस प्रोग्राम को छोटा बताने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि प्रोग्राम के कुछ तरीकों को बदला जा सकता है। हर साल, अमेरिकी सरकार कुशल विदेशी श्रमिकों की तलाश करने वाली कंपनियों को 65,000 एच-1बी वीजा उपलब्ध कराती है। इसके अलावा एडवांस्ड डिग्री वाले प्रोफेशनल्स के लिए अतिरिक्त 20,000 वीजा मुहैया कराती। वीजा तीन साल तक चलता है। इसे अगले तीन साल के लिए रिन्यू किया जा सकता है।

पुतिन को न्योता देने को लेकर दुविधा में फंसा भारत

- क्या अमेरिकी राष्ट्रपति को मना पाएंगे प्रधानमंत्री मोदी? रूस की पैनी नजर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पुतिन को न्योता देने को लेकर भारत अभी दुविधा में फंसा हुआ है और वाइस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी बाइडन के साथ मुलाकात के दौरान इस पूरे मामले पर बात कर सकते हैं। भारत को जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए अतिथियों की लिस्ट फाइनल करनी है। अमेरिका के साथ जहां भारत की नजदीकी बढ़ रही है, वहीं रूस भारत का दशकों से सबसे करीबी मित्र है। ये दोनों ही देश जी-20 के सदस्य देश हैं लेकिन इस यूक्रेन युद्ध को लेकर दोनों के बीच जंग जैसे हालात हैं।

यूक्रेन को अमेरिका ने अरबों डॉलर के हथियार और आर्थिक मदद दी है। वहीं रूस अमेरिका के इस कदम से भड़का हुआ है। इससे दोनों ही महाशक्तियों के बीच तनाव अपने चरम पर है। अमेरिका की कोशिश है कि पुतिन को किसी तरह से दुनिया में अछूत बना दिया जाए। पुतिन पर युद्धापराध के आरोप लगे हैं और गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। ऐसे में भारत का पुतिन को बुलाना अमेरिका को नाराज कर सकते हैं। इससे पहले जी7 देशों के बायकॉट के खतरे को देखते हुए जी-20 के पूर्व अध्यक्ष इंडोनेशिया ने रूस से पुतिन की बजाय विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को भेजने का अनुरोध किया था।

यही नहीं इंडोनेशिया ने किसी तरह से रूस को यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को भी वर्चुअली शामिल होने पर सहमत किया था। अब यूक्रेन फिर चाहता है कि जेलेंस्की को जी-20 के शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता दिया जाए। भारत ने साफ कर दिया है कि वह जेलेंस्की को नहीं बुलाने जा रहा है। अब भारत पुतिन को बुलाने को लेकर फंसा हुआ है। अगर भारत पुतिन को नहीं बुलाता है तो यह रूस को नाराज कर सकता है। इससे पहले भारत ने एससीओ के शिखर सम्मेलन को वर्चुअल कर दिया है जिसमें रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत आना था। इससे कई एससीओ देश खुश नहीं हैं। यही वजह है कि अब बाइडन और मोदी की इस शिखर बैठक पर रूस की भी करीबी नजर बनी हुई है।

खेती के बहाने 10 लाख एकड़ जमीन पर कब्जा करने की साजिश हाईकोर्ट ने की नाकाम

- हाईकोर्ट ने कहा, सरकार के पास जमीन सेना को सौंपने का संवैधानिक अधिकार नहीं

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना खेती के बहाने जमीन कब्जाने में लगी थी लेकिन उसकी इस साजिश को लाहौर हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने कॉर्पोरेट खेती के लिए 10 लाख एकड़ की सरकारी जमीन पाकिस्तानी सेना को देने का फैसला किया था। लेकिन लाहौर हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि सरकार के पास इसे सेना को सौंपने का संवैधानिक अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट की एकल-न्यायाधीश पीठ ने 134 पन्नों का आदेश दिया। आदेश में कहा गया कि न तो पंजाब की कार्यवाहक सरकार के पास कॉर्पोरेट खेती के लिए भूमि आवंटित करने का संवैधानिक जनादेश है, और न ही पाकिस्तान की सेना के पास कॉर्पोरेट खेती में उतरने का अधिकार है। अपने फैसले में जस्टिस आबिद हुसैन चट्ठा ने लिखा की कॉर्पोरेट खेती के लिए सेना को आवंटित कोई भी भूमि पंजाब सरकार को वापस कर दी जाए। इसके साथ ही सशस्त्र बलों के प्रत्येक सदस्य को उसके संवैधानिक जनादेश और उसके उल्लंघन के परिणामों के बारे में बताया जाए। जज ने हाईकोर्ट के आदेश की एक कॉपी केंद्र सरकार, रक्षा मंत्रालय, सेना प्रमुख, नौसेना और वायुसेना के प्रमुखों को भेजने को कहा है। पाकिस्तान के एक टीवी चैनल के मुताबिक याचिकाकर्ता के वकील राफे आलम ने कहा है कि यह फैसला लोकतंत्र और कानून के शासन में विश्वास करने वाले लोगों के लिए एक बड़ी जीत है। इस साल पाकिस्तानी सेना के रणनीतिक परियोजनाओं के महानिदेशक ने पंजाब के राजस्व बोर्ड को पत्र लिखा था। इसमें उसने कॉर्पोरेट कृषि खेती के लिए पंजाब में 10 लाख एकड़ की सरकारी जमीन की मांग की थी। पाकिस्तानी सेना ने अपने पत्र में तेल और खाने-पीने की बढ़ती कीमतों को पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था और उसके कृषि क्षेत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बताया और कहा कि उसके पास बंजर भूमि को विकसित करने का अनुभव है। इस परियोजना में सेना ने 10,000 से 15,000 एकड़ सिंचाई वाली भूमि को तत्काल देने को कहा था। इसके बाद 1 मार्च तक 1 लाख एक और फिर अप्रैल तक शेष भूमि देने का प्रस्ताव रखा था।

वर्षों तक संबंधों को मजबूत करने के बाद अमेरिका-भारत साझेदारी गहरी हुई: जिल बाइडन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने कहा कि वर्षों तक संबंधों को मजबूत करने के बाद अमेरिका-भारत साझेदारी गहरी तथा व्यापक हुई है क्योंकि दोनों देश संयुक्त रूप से वैश्विक चुनौतियों से निपटते हैं। जिल बाइडन ने बुधवार को कहा, ''इस आधिकारिक राजकीय यात्रा के साथ हम दुनिया के सबसे पुराने और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों को एक साथ ला रहे हैं।'' राष्ट्रपति बाइडन और प्रथम महिला के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर हैं। जिल बाइडन ने कहा ''वर्षों संबंधों को मजबूत करने के बाद अमेरिका-भारत साझेदारी गहरी और व्यापक हुई है क्योंकि हम संयुक्त रूप से वैश्विक चुनौतियों से निपटते हैं, लेकिन हमारा रिश्ता केवल सरकारों तक सीमित नहीं है।''

उन्होंने रात्रिभोज के 'मेन्यू' का पूर्वावलोकन करते हुए कहा, '' हम उन परिवारों तथा दोस्ती का जश्न मना रहे हैं जो दुनिया भर में बसे हैं और जो दोनों देशों के बीच संबंधों को महसूस करते हैं।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित रात्रिभोज में आमंत्रित 400 मेहमानों के लिए 'मेन्यू' में मैरीनेट किया हुआ बाजरा, मकई का सलाद और भरवां मशरूम शामिल हैं। जिल बाइडन ने बताया प्रधानमंत्री मोदी शाकाहारी हैं, इसलिए उन्होंने शाकाहारी व्यंजनों में माहिर शेफ नीना कर्टिस को व्हाइट हाउस के कर्मचारियों के साथ काम करने और एक शानदार शाकाहारी 'मेन्य' तैयार करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि मेहमानों के लिए

भोजन में मछली का विकल्प भी रखा गया है। प्रथम महिला ने कहा, '' कल रात मेहमान साउथ लॉन में आएंगे, जहां हर मेज पर हरे और केसरिया रंग के फूल लगाए जाएंगे, जो भारत के झंडे के रंग हैं। '' उन्होंने कहा, '' हर शानदार और विशिष्ट इंतजाम होंगे। हमें उम्मीद है कि अतिथि भी यह महसूस कर पाएंगे कि मेज खास उन्हीं के लिए सजाई गई है। रात्रिभोज के बाद ग्रैमी पुरस्कार विजेता जोशुआ बेल प्रस्तुति देंगे। '' जिल बाइडन ने कहा कि उनकी प्रस्तुति के बाद पेनसिलवेनिया विश्वविद्यालय का समूह 'पेन मसाला' भारतीय संगीत से प्रेरित गीतों पर प्रस्तुति देगा।

राजकीय रात्रिभोज में पहले नाश्ते के रूप में मैरीनेटेड बाजरा, ग्रिल्ड मकई के दाने का सलाद, तरबूज और एक तीखा एवोकैडो सॉस परोसा जाएगा। मुख्य भोजन में भरवां पोर्टोबेलो मशरूम और एक मलाईदार केसर-युक्त रिसोट्टो शामिल है। मीठे में गुलाब और इलायची वाले स्ट्रॉबेरी शॉर्टकेक और अन्य व्यंजन शामिल हैं। कैलिफोर्निया की शेफ कर्टिस ने कहा, ''प्रथम महिला के साथ काम करना और उनकी पाक कला को समझना व उसके अनुरूप व्यंजन तैयार करना वास्तव में खुशी की बात है... हमने एक ऐसा 'मेन्यू' तैयार किया है जो वास्तव में अमेरिकी व्यंजनों का दर्शाता है, जिसमें भारतीय स्वाग का तड़का लगाया गया है।'' शेफ ने कहा, '' हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष मनाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। हमने अपने 'मेन्यू' में मैरीनेटेड बाजरा और भारतीय व्यंजन से जुड़े तत्वों को शामिल किया है।

इंद्र देव का आशीर्वाद: राष्ट्रगान का सम्मान, वाशिंगटन में बारिश में खड़े रहे प्रधानमंत्री मोदी

वाशिंगटन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह वाशिंगटन डीसी पहुंचे। उन्हें हवाई अड्डे के टैक्सीवे में राष्ट्रगान के लिए खड़े होकर बारिश का सामना करते हुए देखा गया। वाशिंगटन डीसी पहुंचने पर पीएम मोदी ने बारिश को %इंद्र देवता की कृपा% बताया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि भारतीय समुदाय की गर्मजोशी और इंद्र देवता के आशीर्वाद ने आगमन को और भी खास बना दिया।

हवाई अड्डे पर पीएम मोदी पहुंचे जो जोरदार बारिश होने लगी। इस दौरान पीएम का औपचारिक स्वागत किया जा रहा था। दोनों देशों के राष्ट्रगान भी बजाए गए। राष्ट्रगान जब बज रहा था, तो जोरदार बारिश हो रही थी। राष्ट्रगान के सम्मान में एयरपोर्ट पर मौजूद सभी लोग सावधान की मुद्रा में खड़े रहे। इस दौरान पीएम मोदी भी वहीं खड़े होकर रहे। बारिश में मोदी भीगते रहे। लेकिन राष्ट्रगान के सम्मान में वो खड़े रहे।

राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन ने व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। अंदर जाने से पहले उन्होंने तस्वीरें खिंचवाईं। इस दौरान वे बातचीत करते भी दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन के परिवार के करीबी सदस्यों से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने निजी रात्रिभोज पर एक संक्षिप्त बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का इस विशेष कार्यक्रम का हिस्सा होना दोनों देशों के बीच मधुर मित्रता की पुष्टि करता है।

हेट स्पीच मामले में ट्विटर को मिला 28 दिन का अल्टीमेटम, लगेगा फाइन

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया ने कहा है कि यदि ट्वीटर पर हेट स्पीच नहीं रोकी गई तो उस पर फाइन लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद प्लेटफॉर्म पर 'नफरत और घृणा' बढ़ गई है। अगर ट्विटर ने जल्द ही हेट स्पीच और गाली-गलौच पर जल्द लगाम न लगाई, तो उस पर फाइन लगाया जाएगा। हालांकि अब लगभग सारे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नफरत फैलाने के मुख्य हथियार बन गए हैं। फेक न्यूज के प्रसार में ये अहम भूमिका निभा रहे हैं। इससे सभी चिंतित है। इसी दौर में आस्ट्रेलिया ने ट्विटर को चेतावनी देते हुए कहा है कि आस्ट्रेलिया में ऑनलाइन हेट स्पीच के तीन मामलों में से एक ट्विटर से संबंधित होता है। ई-सेफ्टी कमिशनर जूली इनमैन ग्रांट ने कहा कि हेट स्पीच गंभीर मसला है और ट्विटर को इस पर हर हाल में रोक लगानी होगी। जूली ट्विटर की पूर्व कर्मचारी हैं। जूली ने कहा कि ट्विटर को इस समस्या से निपटने के लिए 28 दिन दिए गए हैं। इस अवधि में कंपनी को आपत्तिजनक कंटेंट को हटाना होगा। अगर वह दिए गए समय में यह काम नहीं करती है, तो फिर हर दिन ट्विटर पर 475,000 डॉलर जुर्माना लगाया जाएगा। गौरतलब है कि एलन मस्क ने अक्टूबर 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया था। तब से मस्क अब तक 80 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा चुके हैं। निकाले गए कर्मचारियों में बहुत से ऐसे कर्मचारी भी थे, जिनके जिम्मे गाली-गलौच वाले कंटेंट को रोकने की जिम्मेदारी भी थी। जूली ने कहा कि नफरती कंटेंट से निपटने को ट्विटर ने कोई कोशिश नहीं की है। ट्विटर पर अल्पसंख्यक समुदाय को खासतौर से निशाना बनाया जा रहा है और उनके खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को रेगुलेट करने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तानी तस्करों के दो गुर्गे किए गिरफ्तार
– राजस्थान से भी जुड़े हैं तस्करी के तार

मोगा। पंजाब पुलिस ने मोहाली से पाकिस्तान की आईएसआई हिमायत प्राप्त एक सरहद पार तस्करी माड्यूल के दो गुर्गों को गिरफ़्तार कर इस गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीमों ने इनके पास से 30 बोर की दो पिस्तौल सहित 10 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ़ गोरा उर्फ़ अरमान चौहान निवासी गांव कोट इसे खां ज़िला मोगा और रोहित सिंह निवासी श्रीगंगानगर (राजस्थान) के तौर पर हुई है। दोनों आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं। उनके विरुद्ध पंजाब में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत केस दर्ज हैं। जबकि राजस्थान में भी व्यापारिक मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी से संबंधित दर्ज केस में भी एनसीबी को वांछित हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गिरफ़्तार किए गए व्यक्ति सरहद पार तस्करी के एक उच्च संगठित माड्यूल के मुख्य मैंबर हैं। जिनके पाकिस्तान स्थित नशा तस्करों के साथ सीधे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि यह मॉड्यूल भारत-पाकिस्तान सरहद पार से नशीले पदार्थों की तस्करी में सक्रियता से शामिल थे, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा ख़तरा है। मुलजिम गुरप्रीत सिंह उर्फ़ गोरा जो कि पेशे से एक मॉडल और गायक है, ने हवाला के द्वारा फंड ट्रांसफर करने में अहम भूमिका निभाई। दूसरा दोषी रोहित सिंह, गुरप्रीत सिंह उर्फ़ गोरा द्वारा राजस्थान और पंजाब सरहद के साथ-साथ पाकिस्तानी इकाईयों को लोकेशन कोआरडीनेट की जानकारी उपलब्ध कराता था। इस तरह ड्रोन हेरोइन की खेप बरामद करने की सुविधा देता था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस माड्यूल से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और काबू करने के लिए आगे जांच जारी है।

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 22 मछुआरों को किया गिरफ्तार

रामनाथपुरम। श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 22 भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुछआरे रामनाथपुरम, पुदुकोट्टई और नागपट्टिनम जिलों के रहने वाले हैं। नेदुनतीवु के पास से बुधवार देर रात उन्हें पकड़ा गया और चार नाव भी जब्त कर ली गईं। अधिकारियों ने बताया कि कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें कानकेसनतुरई ले जाया गया है। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदॉस ने श्रीलंका की इस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने ट्वीट किया, मछुआरों के मुद्दे सहित विभिन्न मामलों पर चर्चा के लिए गठित भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति को भारतीय मछुआरों की शंकाओं का स्थायी समाधान खोजने के लिए तुरंत बैठक बुलानी चाहिए।

बीजापुर में माओवादियों ने पंचायत प्रमुख को उतारा मौत के घाट, एक साल चौथे बीजेपी नेता की हत्या

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में माओवादियों ने बीजेपी के पंचायत प्रमुख को बुलाकर हत्या कर दी। बुधवार को काका अर्जुन नामक बावन वर्षीय नेता का रक्तरंजित शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, माओवादियों ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए पोस्टर भी दिये हैं। वह पोस्टर अर्जुन के शव के पास मिला था। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में चौथे बीजेपी नेता की हत्या कर दी गई। मृतक अर्जुन बीजापुर के इल्मिडी कसारामपारा गांव का रहने वाला था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अर्जुन का घायल शव बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे कांगुपल्ली-इलमिडी रोड से बरामद किया गया। उनके पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, उन्हें कुछ लोगों ने फोन किया था। इसके बाद वह सुबह करीब 10 बजे पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर जंगल की ओर निकल गया। जब वे जंगल में पहुंचे तो कुछ लोगों ने पत्नी को हिरासत में ले लिया। अर्जुन को वन में ले जाया गया। काफी देर तक पत्नी के इंतजार करने के बाद भी अर्जुन नहीं लौटे। इसके बाद उनका शव मिला।

सुरक्षा बलों पर बलात्कार-हत्या का झूठा आरोप लगा असंतोष पैदा करना था मकसद, पाक के साथ मिलकर खतरनाक साजिश रचने वालेदो डॉक्टरों को किया गया बर्खास्त

जम्मू-कश्मीर सरकार ने 2 डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें डॉ. बिलाल अहमद दलाल और डॉ. निगहत शाहीन चिल्लो का नाम शामिल है। दोनों को पाकिस्तान के साथ सक्रिय रूप से काम करने और शोपियां की आसिया और नीलोफर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को गलत साबित करने के आरोप में बर्खास्त किया गया है। सूत्रों का कहना है कि दोनों का उद्देश्य सुरक्षा बलों पर बलात्कार और हत्या का झूठा आरोप लगाकर भारत के खिलाफ असंतोष पैदा करना था।

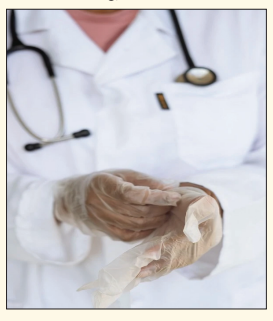

सरकार ने जांच के बाद दोनों डॉक्टरों को बर्खास्त करने के लिए भारत के संविधान की धारा 311(2)(सी) का इस्तेमाल किया है, क्योंकि जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि डॉ. बिलाल और डॉ. निगहत ने पाकिस्तान आईएसआई और आतंकवादी संगठनों की ओर से काम किया था। सूत्रों के मुताबिक, जांच से पता चलता है कि तत्कालीन सरकार के शीर्ष अधिकारियों को तथ्यों के बारे में पता था, जिसे आसानी से दबा दिया गया। दरअसल, शोपियां में साल 2009 में नीलोफर और आसिया नाम की दो महिलाओं की रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत होने की खबर सामने आई थी। शोपियां प्रकरण एक क्लासिक पाठ्यपुस्तक केस स्टडी के रूप में उभरा है कि कैसे पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर में उसके प्रतिनिधियों ने पूरी तरह से झूठी कहानी गढ़ने के लिए कई सामाजिक और सरकारी संस्थानों के भीतर अपनी गहरी संपत्ति जुटाई, पूरी तरह से फर्जी सहित झूठे सबूत बनाकर झूठ को विश्वसनीयता प्रदान की। पोस्टमार्टम, पूरी तरह से निर्दोष पुलिस अधिकारियों को गलत तरीके से फंसाने के लिए जैविक नमूनों को बदलने की हद तक जाना और इस तरह न्याय प्रणाली को उस अनुपात में विकृत और बाधित करना जो आपराधिक न्याय प्रणाली के इतिहास में अभूतपूर्व है।

जम्मू में गरजे धनखड़, कहा- श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ, अब देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के एक दिवसीय दौरे पर रहे और इस दौरान उन्होंने जम्मू विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हम आज बहुत खुश हैं क्योंकि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हो गया है और आज देश में 'दो प्रधान, दो विधान और दो निशान' नहीं चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के साथ अब कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक विधान, एक प्रधान और एक निशान है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे संविधान में अनुच्छेद 370 अस्थायी था, लेकिन फिर भी इसे 70 वर्षों तक कायम रखा गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर ने अनुच्छेद 370 का मसौदा तैयार करने से इंकार कर दिया था, क्योंकि उनके पास एक महान दृष्टिकोण था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाये जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय विकास हुआ है। उपराष्ट्रपति ने अपने महत्वपूर्ण संबोधन में कहा कि देश के साथ जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण से प्रदेश में निवेश और विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके साथ ही पर्यटन में भी बड़ा उछाल देखने को मिला है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज देश के सभी शीर्ष संस्थान- आईआईएम, आईआईटी और एम्स जम्मू-कश्मीर में हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जम्मू एजुकेशन हब बनेगा।

उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि जम्मू-कश्मीर के 200 राज्य कानूनों को निरस्त कर दिया गया है और 370 निरस्त होने के बाद 100 कानूनों को संशोधित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज केंद्र शासित प्रदेश में सड़कें बन रही हैं और हर क्षेत्र में भारी विकास हो रहा है। बनिहाल सुरंग, चिनैनी-नाशिरी टनल और चिनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल का काम लगभग पूरा हो चुका है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी को भी विकास की गति में बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी देश का नाम लिए बिना उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के प्रति शत्रु ताकतों द्वारा झूठे आख्यान सुनियोजित तरीके से फैलाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नापाक मंसूबों को हमारी धरती पर कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा।

उपराष्ट्रपति ने श्रीनगर में जी-20 पर्यटन कार्य समूह की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सफल रही। उन्होंने कहा, 'हम सपने देखना कभी नहीं छोड़ते क्योंकि हमारे सभी सपने पूरे होंगे।' उपराष्ट्रपति ने कहा कि भ्रष्टाचार के हितधारकों के लिए बचने के सभी रास्ते बंद कर दिए गए हैं और सभी लोग कानून के प्रति जवाबदेह हैं।

उपराष्ट्रपति ने अपनी इस एकदिवसीय यात्रा के दौरान जम्मू विश्वविद्यालय के विशेष दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने और समारोह को संबोधित करने के अलावा शीर्ष 10 विद्यार्थियों को स्वर्णपदक भी प्रदान किये। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और विश्वविद्यालय के कुलपति उमेश राय भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह के समापन के बाद उपराष्ट्रपति रियासी जिले में अपनी पत्नी के साथ माता वैष्णो देवी की पूजा अर्चना करने भी पहुँचे। उपराष्ट्रपति की यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं।

राष्ट्रपति अब्देल फतह के निमंत्रण पर पीएम मोदी 24 को जाएंगे मिस्र, गुटनिर्पेक्षता की बनेगी मिसाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 24 से 25 जून तक मिस्र की यात्रा पर जाएंगे। वे वहां राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर जा रहे हैं। गौरतलब है कि मिस्र गुटनिर्पेक्षता का ताजा उदाहरण है, जिसने भारत से दोस्ती करने के लिए पाकिस्तान से दूरी बना ली थी। अब पीएम मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी के निमंत्रण पर यह यात्रा कर रहे हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रपति अल-सीसी ने भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की थी। उसी समय उन्होंने प्रधानमंत्री को मिस्र यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। यह प्रधानमंत्री के तौर पर मोदी की मिस्र की पहली यात्रा होगी। पिछले कुछ वर्षों में भारत और मिस्र के संबंध और भी बेहतर हुए हैं। बता दें कि मिस्र के साथ भारत के संबंध 50 के दशक से ही बेहतर रहे हालांकि बीच के कुछ वर्षों में इसमें थोड़ी दूरी रही। मिस्र भारत का बहुत अच्छा दोस्त है। इसकी शुरुआत तब से होती है जब मिस्र की कमान गमाल नासिर के हाथों में थी। जानकारी बताते हैं कि भारत और मिस्र के अच्छे संबंध गुटनिरपेक्ष आंदोलन की वजह से उस वक्त शुरू हुए जब मिस्र में कमान राष्ट्रपति गमाल अब्दुल नासिर के हाथों में थी। उस वक्त भारत में पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे। लंदन और पेरिस ने नासिर के अरब राष्ट्रवाद को अफ्रीका में अपने हितों के लिए खतरा माना। दूसरी ओर भारत ने नासिर के नेतृत्व को इस क्षेत्र में मित्रता के एक अवसर के रूप में देखा। 1956 में मिस्र की आर्थिक प्रगति नील नदी नदी पर निर्भर थी। इस नदी पर एक बांध जिसके निर्माण के लिए सोवियत संघ और अमेरिका दोनों ने मदद का ऑफर दिया। लेकिन कुछ ही समय बाद मिस्र को आर्थिक तौर पर कमजोर मानते हुए यह पेशकश वापस ले ली गई। अब्दुल नासिर इस फैसले से नाराज थे।

भाजपा के समर्थन से लालू और नीतिश बने सीएम तब गद्दारी नहीं थी : मांझी

कांग्रेस कभी किसी दूसरे नेता को स्वीकार नहीं करेगी

पटना (एजेंसी)। (ईएमएस)। एनडीए गठबंधन में शामिल होने पर जेडीयू और आरजेडी की ओर से आलोचना का सामना कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री एवं हम के संस्थापक संरक्षक जीतन राम मांझी ने पलटवार कर कहा है कि भाजपा के समर्थन के बल पर बिहार में मुख्यमंत्री बनने वाले लालू यादव और नीतीश कुमार की पार्टी उन्हें गद्दार कह रही है, यह बेईमानी नहीं तो क्या है?

एनडीए में शामिल होने के अगले दिन मांझी ने कहा कि 1990 में लालू भाजपा के समर्थन से बिहार के मुख्यमंत्री बने थे, नीतीश एनडीए की सरकार में केंद्र में रेल मंत्री बने थे और भाजपा के समर्थन से कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने तब सब कुछ ठीक था। लेकिन, आज जब उन्होंने नीतीश कुमार द्वारा महागठबंधन से बाहर किए जाने के बाद एनडीए में शामिल होने का फैसला किया तब उन्हें गद्दार कहा जा रहा है, यह बेईमानी नहीं तो क्या है?

मांझी ने कहा कि उन पर जासूसी का आरोप लगाने वाले नीतीश कुमार ने स्वयं यह कहा कि, उन्होंने मुझे अपनी पार्टी का जेडीयू में विलय करने या महागठबंधन से बाहर जाने को कहा था तब सोचिए अगर मामला जासूसी का था तब क्या जेडीयू में विलय करने के बाद भी यह खतरा नहीं रहता। इसका मतलब स्पष्ट है कि उन्होंने गलत आरोप लगाया,

अविश्वास किया। जबकि, जासूसी करना उनका स्वभाव नहीं है। विपक्षी दलों को एकजुट करने की नीतीश की मुहिम पर कटाक्ष कर मांझी ने कहा कि विपक्षी दलों की एकता होना संभव नहीं है। क्योंकि, सभी नेताओं की अपनी-अपनी महत्वाकांक्षा है। कर्नाटक में जीतने के बाद कांग्रेस की महत्वाकांक्षा भी बढ़ गई है और वह किसी दूसरे दल के नेता का नेतृत्व स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि आज नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष के पास कोई नेता नहीं है। मांझी ने कहा कि विपक्ष जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहा है। लेकिन, वह गलत है। आखिर उनके यहां कभी छापा क्यों नहीं पड़ा? रेड उन्हीं लोगों के यहां हो रही है, जिन्होंने गलत तरीके से पैसा बनाया है और जहां से बड़े पैमाने पर रुपये की बरामदगी की आशंका है। मांझी ने कहा कि वह अपनी पार्टी का स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखना चाहते थे। इसलिए, नीतीश कुमार की विलय की शर्त को स्वीकार नहीं कर सकते थे। भाजपा ने उन्हें सहयोगी दल के तौर पर स्वीकार किया और इसलिए वे एनडीए में शामिल हुए हैं।

प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं, मणिपुर पर बुलाई गई ऑल पार्टी मीटिंग को लेकर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में स्थिति पर चर्चा के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से कुछ दिन पहले, जो 3 मई से जातीय संघर्षों से प्रभावित है, जिसमें 110 से अधिक लोगों की जान चली गई है, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बैठक बुलाने पर केंद्र की आलोचना की। ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने ट्विट करते हुए कहा कि 50 दिनों से जल रहा है मणिपुर, मगर प्रधानमंत्री मौन रहे। सर्वदलीय बैठक तब बुलाई जब प्रधानमंत्री खुद देश में नहीं हैं! साफ है, प्रधानमंत्री के लिए ये बैठक महत्वपूर्ण नहीं है।

विपक्ष ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया है और यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा था कि हिंसा ने राज्य में गहरा घाव छोड़ा है। संयोग से, नियोजित बैठक से एक दिन पहले, 23 जून को, विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं के 2024 में भाजपा का मुकाबला करने की रणनीति पर काम करने के लिए पटना में इकट्ठा होने की उम्मीद है। सर्वदलीय बैठक मणिपुर के राजनीतिक दायरे में केंद्र की पहली पहुंच है। एक अधिकारी ने कहा कि शाह ने सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया है और गतिरोध को तोड़ने के लिए आगे के रास्ते पर चर्चा करने के लिए उनके संसद पुस्तकालय भवन में मिलने की संभावना है।

पिछले महीने, शाह ने चार दिनों के लिए मणिपुर का दौरा किया और शांति बहाल करने के प्रयासों के तहत विभिन्न वर्गों के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने राहत शिविरों में मैतेई और कुकी दोनों समुदायों के पीड़ितों से मुलाकात की और उन्हें पर्याप्त सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करना है।

शंकराचार्य का आरोप, लव जिहाद पर दोहरा मापदंड रखती हैं भाजपा
-सांसद ने कहा आप संन्यासी वाला व्यवहार नहीं

मेरठ (एजेंसी)। लव जिहाद को लेकर मेरठ में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और बीजेपी सांसद राजेंद्र अग्रवाल से वाद-विवाद हो गया। शंकराचार्य ने कहा था कि आरएसएस प्रचारक रामलाल की भतीजी ने एक मुस्लिम से शादी की होने और प्रधानमंत्री मोदी इस समारोह में पहुंच गए। इस पर कार्यक्रम में मौजूद बीजेपी सांसद अग्रवाल से शंकराचार्य की बहस हो गई। शंकराचार्य ने सांसद से बात करने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं शंकराचार्य के साथ के लोगों ने आयोजन स्थल से सांसद को धकिया कर निकाल दिया। इसके बाद सांसद ने कहा कि शंकराचार्य का व्यवहार संन्यासी वाला नही है।

दरअसल, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेरठ में राज राजेश्वरी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे थे। शंकराचार्य ने लव जिहाद पर बयान में कहा कि एक तरफ ओर भाजपा लव जिहाद का विरोध करती है, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री संघ प्रचारक रामलाल की बेटी (भतीजी) की शादी में आशीर्वाद देने पहुंचते हैं, जबकि उनकी बेटी की शादी मुस्लिम युवक से हुई है। इस पर मंदिर में मौजूद आरएसएस के पदाधिकारी विनोद भारती ने शंकराचार्य का विरोध किया।

भारती ने तर्क दिया कि रामलाल अविवाहित हैं, उनकी भतीजी की शादी थी, जिसमें प्रधानमंत्री पहुंचे थे। आपको ऐसा नहीं बोलना चाहिए। इस पर शंकराचार्य नाराज हो गए। उन्होंने कहा, संघियों का यही रवैया है। मैंने कुछ गलत नहीं बोला है। भतीजी बेटी ही होती है। रामलाल के भाई के आयोजन में पीएम नहीं जा सकते। वह रामलाल की वजह से गए थे।

-अमेरिका में मुस्लिम महिला कांग्रेस सांसद को मुस्लिम नेता ने दिया करारा जवाब

आप मेरे भारत की गलत तस्वीर दिखा रहीं,: आतिक रशीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में पीएम मोदी के संबोधन का बायकॉट करने वाली मुस्लिम महिला कांग्रेस की दो सदस्यों को मुस्लिम नेता आतक रशीद ने करारा जवाब दिया है। गौरतलब है कि पीएम मोदी के संबोधन को लेकर अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी की दो मुस्लिम महिला कांग्रेसियों ने विरोध जताया है, उनका कहना है कि वे पीएम मोदी के भाषण में शामिल नहीं होंगी। क्योंकि मोदी सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन किया है। जिसे ट्वीटर पर वायरल किया जा रहा है। इसके जवाब में भारत के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष आतिफ रशीद ने इल्हान उमर के ट्वीट का कड़ा जवाब देते हुए कहा, आप अपने नफरती एजेंडे के तहत भारत की गलत तस्वीर दिखा रही हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रशीद ने लिखा, मैं भारत के धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय से हूं। लेकिन मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत में अपनी धार्मिक स्वतंत्रता और धार्मिक पहचान के साथ स्वतंत्र रूप से रहता हूं, यहां

के हर संसाधन में मेरी बराबर की हिस्सेदारी है, मुझे भारत में बोलने की आजादी है। आतिफ रशीद ने कहा, भारत में मुझे जो चाहिए वो लिखने की भी आजादी है। मुझे ये कहते हुए दुख हो रहा है कि आप अपने नफरत के एजेंडे के तहत मेरे भारत की गलत तस्वीर दिखा रही हैं। अपने मुंह से जहर उगलना बंद करें।

गौरतलब है कि इल्हान उमर और रशीदा तलीब ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में पीएम मोदी के संबोधन के बहिष्कार की घोषणा की। क्योंकि पीएम मोदी अमेरिका की तीन दिवसीय ऐतिहासिक राजकीय यात्रा पर हैं। इल्हान उमर ने ट्वीट कर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यकों का दमन किया है, हिंसक हिंदू राष्ट्रवादी समूहों को प्रोत्साहित किया है और पत्रकारों/मानवाधिकार अधिवक्ताओं को बेखौफ निशाना बनाया है। मैं मोदी के भाषण में शामिल नहीं होऊंगी। मैं मोदी के दमन के रिकॉर्ड पर चर्चा करने के लिए मानवाधिकार समूहों के साथ एक ब्रीफिंग करूंगी।

वहीं दूसरी कांग्रेस महिला नेता रशीदा तलीब ने ट्वीट कर लिखा, यह शर्मनाक है कि पीए मोदी को हमारे देश की राजधानी में एक मंच दिया गया है। मानवाधिकारों के हनन, अलोकतांत्रिक कार्यों, मुसलमानों और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने और पत्रकारों को सेंसर करने का उनका लंबा इतिहास अस्वीकार्य है। मैं कांग्रेस में मोदी के संयुक्त संबोधन का बहिष्कार करूंगी।

पटना में विपक्षी दलों की बैठक 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले 'अच्छी शुरुआत': तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता। (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि बिहार के पटना में शुक्रवार को आयोजित होने जा रही विपक्षी दलों की बैठक 2024 के आम चुनाव से पहले ''एक अच्छी शुरुआत'' है। तृणमूल कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर ''अलोकतांत्रिक एवं तानाशाही नीतियों'' का आरोप लगाते हुए इनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी दलों के एकजुट होने के महत्व पर जोर दिया। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू) नेता नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई बैठक में राहुल गांधी, ममता बनर्जी, एम के स्टालिन, शरद पवार, महबूबा मुफ्ती और हेमंत सोरेन एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। जद-यू ने पिछले साल भाजपा का साथ छोड़ दिया था।

विपक्षी दलों की बैठक के लिए ममता बनर्जी के साथ तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी भी होंगे। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, ''पटना पहुंचने से पहले ही एक अच्छी शुरुआत... देश के संविधान को बचाने के लिए काम कर रहे सभी दल कई मुद्दों पर एकमत हैं। अभी के लिए, हमारे पास एक तारीख, एक स्थान और एक समझौता है कि बैठक में हर पार्टी के प्रमुख रहेंगे।'' तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा, ''इसके बाद अगली बैठक की तारीख और स्थान पटना में तय किया जाएगा। इसके अलावा, यही सलाह है कि कोई भी बैठक को लेकर अटकल न लगाए।''

पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक आयोजित करने का विचार बनर्जी द्वारा रखा गया था, जिन्होंने अप्रैल में कोलकाता में नीतीश कुमार से मुलाकात के दौरान जयप्रकाश नारायण को याद करते हुए उनका जिक्र किया था। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि लक्ष्य यह होना चाहिए कि विपक्षी एकता जल्द से जल्द आकार ले क्योंकि 2024 के आम चुनाव में एक साल से भी कम समय बचा है। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने देश के लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है और संविधान को नष्ट करने की कोशिश कर रही है। अगर भाजपा की विरोधी और उसके खिलाफ संघर्ष कर रहीं पार्टियां एकजुट होकर लड़ने में विफल रहती हैं, तो यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा।''

रॉय ने कहा कि विपक्षी एकता को एकजुट करने के प्रयास पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्षी उम्मीदवार के चयन के दौरान ही शुरू हो गए थे। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी दलों के मोर्चे के नेतृत्व का मुद्दा इसमें बाधा पहुंचाएगा, इस पर रॉय ने कहा, ''सिर्फ मीडिया और भाजपा को इसके बारे में चिंता है। न तो विपक्षी दल और न ही इस देश के लोग इस तरह के नेतृत्व के मुद्दे को लेकर चिंतित हैं।'' नाम नहीं जाहिर करने का अनुरोध करते हुए एक अन्य तृणमूल नेता ने कहा कि बैठक में मणिपुर में जारी संकट पर भी चर्चा होगी, जहां जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। इस महीने की शुरुआत में कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की भारी जीत के बाद तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि उनकी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में वहां कांग्रेस का समर्थन करेगी, जहां वह मजबूत है।

जद-यू के नेता कुमार पिछले साल अगस्त में भाजपा से नाता तोड़ने के बाद से ही ''विपक्षी एकता'' पर जोर दे रहे हैं। भाजपा ने प्रस्तावित विपक्षी बैठक को ''निरर्थक कवायद'' करार दिया और कहा कि इस तरह

के ''अवसरवादी गठबंधन से कोई नतीजा नहीं निकलेगा''। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, ''ये निरर्थक हैं। हमने 2014 और 2019 में ऐसे प्रयास देखे और परिणाम हमारे सामने हैं। इस देश के लोग भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा करते हैं। वे कभी भी अस्थिर और अवसरवादी गठबंधन को वोट नहीं देंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं

हमें लिखे या बताएँ

और समस्याएं का हल

संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार

संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों

और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों

की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com